हिन्दी दैनिक

विशाल विचार

हर खबर पर पैनी नजर

कानपुर से प्रकाशित

वर्ष : 01 अंक : 05 | लखनऊ, सोमवार 24 फरवरी 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 5.00 रुपया

2 कोसीकलां में डीएम ने नगर पालिका का किया ...

3 महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार को लेकर ...

5 ओडिसा के सीएम मांझी सहित कई वीआईपी हस्तियों ने ...

मन की बात:महिला दिवस पर पीएम मोदी करेंगे बड़ी पहल, महिलाओं को सौंपेंगे अपना सोशल मीडिया अकाउंट

यूएनएस।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात के 119 वें एपिसड देश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने महिला दिवस को लेकर खास चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अगले महीने आने वाले महिला दिवस को लेकर एक खास एलान किया है।

अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम मोदी ने कहा कि, 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। सभी विद्याएं देवी के ही विभिन्न स्वरूपों की अभिव्यक्ति हैं। बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। संविधान सभा में हंसा मेहता जी ने कहा था। इस दौरान संविधान सभा में हंसा मेहता के संबोधन को भी पीएम मोदी ने देश के साथ साझा किया।पीएम मोदी ने कहा कि, साथियों, इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूँ, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स और इंस्टाग्राम के अकाउंट उनको देश की कुछ प्रेरणास्रोत महिलाओं को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूँ। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को, वो, अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि, मंच भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियां और उनकी उपलब्धियों की बात होगी। यदि आप चाहते हैं कि ये अवसर आपको मिले, तो, नमो एप पर बनाए गए विशेष फोरम के माध्यम से, इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट से, पूरी दुनिया तक, अपनी बात पहुंचाएं, तो आइए, इस बार महिला दिवस पर हम सब मिलकर अद्वय नारी-शक्ति को सेलिब्रेट करें, सम्मान करें, नमन करें।'मन की बात' में सबसे पहले क्रिकेट की बात की है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच क्या होता है, ये तो हम सब भली-भांति जानते हैं। लेकिन आज मैं, आप सबसे क्रिकेट नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई है उसकी बात करने वालां हूं। पिछले महीने देश इसरो के 100वें रॉकेट की लॉन्चिंग के साक्षी बने हैं। यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे स्पेस विज्ञान में नित नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है।पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा- हमारी स्पेस यात्रा की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम-कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे वैज्ञानिक, विजय प्राप्त करते हुए, आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलताओं की सूची काफी लंबी होती चली गई। लॉन्च व्हीकल का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो, आदित्य एल-1 या फिर एक ही रॉकेस से, एक ही बार में, 104 सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने की अभूतपूर्व मिशन हो - इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बागेश्वर धाम के पास 100 बेड वाले कैंसर अस्पताल की नीव रखी

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा को गाली देते हैं, बागेश्वर धाम में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

यूएनएस।

नई दिल्ली। जिले के बागेश्वर धाम के पास 100 बेड की व्यवस्था वाले कैंसर अस्पताल की आज नीव रखी जानी है। भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छतरपुर पहुंचे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रण भेजा था। पीएम पहले बाला जी के दर्शन किए फिर डिजिटली कैंसर अस्पताल का शिलान्यास किया।

आज मैं हनुमान दादा के चरणों में आया। तो मुझे लगा कि क्या ये धीरेंद्र शास्त्री ही अकेले ही पर्ची निकाल पाएंगे या मैं भी निकाल पाऊंगा। तो मैंने देखा कि हनुमान दादा की मुझ पर कृपा होती है कि नहीं। तो हनुमान दादा ने मुझे आशीर्वाद दिया। तो मैंने पहली पर्ची निकाली, उनकी माताजी पर्ची निकाली। इसकी बात शास्त्रीजी ने बता दी आपको। खैर साथियों ये बहुत बड़ा अवसर है। बहुत बड़ा काम है। संकल्प बड़ा हो, संतों का आशीर्वाद हो, प्रभु की कृपा हो तो संकल्प समय पर पूरा होता है। आपने कहा है कि इसके उद्घाटन के लिए मैं आऊं और दूसरा कहा है कि उनकी बारात में मैं आऊं। तो मैं सार्वजनिक रूप से वादा करता हूं कि दोनों काम कर दूंगा। आप सभी को एक बार फिर मेरी बहुत शुभकामनाएं, धन्यवाद भाइयों-बहनों बुंदेलखंड समृद्ध बने, इसके लिए जरूरी है महिलाएं भी उतनी ही सशक्त बनें। इसलिए हमने कई योजनाएं शुरू की हैं। हम तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। बहनों को ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है, यहां सिंचाई का पानी पहुंचेगा। बहनें ड्रोन से फसलों पर

छिड़काव करेंगी। वो इससे खेती में मदद करेंगी। तो हमारा बुंदेलखंड समृद्धी की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा।गांव में ड्रोन तकनीक से एक और बड़ा जरूरी काम हो रहा है। स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन से जमीन का पैमाइश कराई जा रही है। उसके पुख्ता कागज तैयार किए जा रहे हैं। एमपी में इसे लेकर बहुत अच्छा काम हुआ। अब इन कागजों पर बैंक से आसानी से लोन ले रहे हैं। ये लोन रोजगार-धंधे में काम आ रहा है। लोगों की आय बढ़ रही है। बुंदेलखंड की इस महान की धरती को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए डबल इंजिन की सरकार दिनरात मेहनत कर रही है। मैं बागेश्वर धाम में कामना करता हूं, बुंदेलखंड समृद्धि और विकास की राह पर इसी तरह आगे बढ़ता रहे। जय जटाशंकर धाम की जय से पीएम ने की संबोधन की शुरुआत की। पीएम ने कहा कि बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमानजी की कृपा है की आस्था का केंद्र अब आरोग्य का केंद्र बनने जा रहा है।

नेताओं का एक वर्ग ऐसा है, जो धर्म का मखौल उड़ाता है। लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकत इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती है, हिन्दू आस्था से ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं।गुलामी का मानसिकता से ये लोग हमारे मंदिरों, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहे हैं। ये लोग हमारे पर्व, परंपराओं को गाली देते हैं। जो धर्म जो संस्कृति स्वभाव से प्रगितशील हैं, उस पर ये कीचड़ उछालते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसको तोड़ना इनका एजेंडा है। इस माहौल में मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर अस्पताल के निर्माण की ठानी है।हमारे मंदिर एक ओर पूजा के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें आयुर्वेद और योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है।हमारी तो मान्यता ही है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। आजकल हम देख रहे हैं, महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है।आस्था का केंद्र आरोग्य का केंद्र बनने जा रहा है। अभी यहां बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस सेंटर का शिलान्यास किया है। यहां 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में 100 बेड की सुविधा तैयार होगी। इस कार्य के लिए धीरेंद्र शास्त्री का अभिनंदन करता हूं। बुंदेलखंड के लोगों को बधाई देता हूं।दूसरों की सेवा, दूसरों की पीड़ा का निवारण ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव में शिव इस भाव से जीव मात्र की सेवा, यही हमारी परंपरा रही है। आजकल हम देख रहे हैं। मोदी ने तय किया है कि कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा।

विधानसभा सत्र से पहले भाजपा की अहम बैठक आयोति

यूएनएस।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र से पहले आज भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत मंत्री और विधायक कल 24 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा सत्र से पहले बैठक के लिए दिल्ली भाजपा कार्यालय पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में विधायकों के साथ सदन में होने वाली कार्यवाही को लेकर चर्चा होगी। रविवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित विधायक दल की बैठक में भाजपा कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा, मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद और अन्य भाजपा विधायक मौजूद हैं। बता दें कि दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है। मंत्री अपने-अपने विभागों का गहन अध्ययन और योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। पिछली सरकार के कार्यकाल की कमियों को ठीक करने के लिए ताबड़तोड़ कदम उठाए जा रहे हैं।24 फरवरी को सुबह 11 बजे से सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा और लंबित सीएजी रिपोर्ट को सदन पटल पर रखा जाएगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है।सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को बनाया गया नेता प्रतिपक्ष, आप विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला

यूएनएस।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आज पार्टी मुख्यालय पर विधायक दल की बैठक बुलाई है

जिसमें नेता प्रतिपक्ष के नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी ने एलान किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी इस बैठक में शामिल हुए।

रविवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई बैठक में सभी विधायकों ने आतिशी को विधायक दल का नेता चुना। जिसके बाद अब साफ हो गया है कि दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएंगी। गोपाल राय ने इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के विधायक दल की मीटिंग थी जिसमें विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना है।गोपाल राय ने कहा कि आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। उनपर नेता प्रतिपक्ष होने के नाते केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए कामों की रक्षा करना और भाजपा द्वारा जनता से किए वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी होगी।नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बाद आतिशी ने कहा, 'मैं ड्ड के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सभी विधायकों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया है। भाजपा ने जो भी वादे किए, विपक्ष के नाते हम उन सभी वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी निभायेंगे। महिलाओं से वादा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो पहली कैबिनेट मीटिंग में ही उन्हें 2,500 हरमहीने देने की गारंटी दी थी, वो हम उन्हें दिलवा कर रहेंगे।'दिल्ली विधानसभा में पेश होने वाली कैग रिपोर्ट पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, 'मैंने बतौर मुख्यमंत्री दिल्ली विधानसभा के स्पीकर को कैग रिपोर्ट भेजी थी। ये कैग रिपोर्ट चुनाव से पहले सीलबंद लिफाफे में विधानसभा भेजी गई थी। भाजपा यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है कि कैग रिपोर्ट उनकी तरफ से पेश की जा रही है। दिल्ली की जनता में फैलाई जा रही भ्रांति को जनता के सामने लाया जाना चाहिए।'बता दें कि 24 फरवरी यानी कल सुबह 11 बजे से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा।

भारत का अपमान करने के बावजूद चुप्पी क्यों, कांग्रेस ने कहा-पीएम मोदी-जयशंकर जवाब दें

यूएनएस।

नई दिल्ली। यूएसएड फंडिंग विवाद के बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा

पर 'अमेरिका से झूठी खबरें' फैलाने और 'राष्ट्र-विरोधी कार्य' करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह बताना चाहिए कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का 'अपमान' कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही राहुल गांधी को 'देशद्रोही' करार देते हुए कहा कि वह वह विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा को झूठे और अनपढ़ लोगों का समूह बताया। साथ ही कहा कि 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर, जिस पर भाजपा ने हंगामा किया, फर्जी निकली। उन्होंने कहा, 2022 में 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर भारत में 'मतदान' के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि एलोन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप बांग्लादेश और भारत के बीच भ्रमित हो गए। अमित मालवीय ने झूठ को और फैलाया, फिर भाजपा के बाकी चाटुकारों ने इसका फायदा उठाया।जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'जब से ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग (ड्ढ्ढ) ने कहा कि यूएसएड ने 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग रद्द कर दी है, तब से भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन यह खबर पूरी तरह से फर्जी है। जब पैसा भारत पहुंचा ही नहीं, तो रद्द करने की क्या बात है'कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि विवाद असल में ड्ढ्ढ की सूची में यूएसएड के दो अनुदानों को लेकर है, जो वाशिंगटन स्थित कंसोटिट्यम फॉर इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग (सीईपीपीएस) के माध्यम से दिए गए थे। उन्होंने कहा कि सीईपीपीएस को यूएसएड से कुल 486 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलने थे। ड्ढ्ढ के अनुसार, फंड में मोल्दोवा के लिए 22 मिलियन डॉलर और 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर शामिल थे। रमेश ने स्पष्ट किया कि भारत के लिए यूएसएड का 21 मिलियन डॉलर का अनुदान असल में बांग्लादेश के लिए था। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को जवाब देना होगा, डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं और हमारी सरकार इस पर चुप क्यों है।

जयशंकर ने ट्रंप के दावों को चिंताजनक बताया, कहा-सरकार कर रही जांच

यूएनएस।

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि बाइडन प्रशासन ने भारत को उसके चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि आवंटित की। ट्रंप के दावे ने भारत में विवाद पैदा पर दिया है। जयशंकर ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी चिंताजनक है और सरकार इसकी जांच कर रही है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में आयोजित डीयू साहित्य महोत्सव में भाग लिया। इस दौरान उनसे 'यूएसएड' के मुद्दे के बारे में सवाल पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप प्रशासन के लोगों द्वारा कुछ जानकारी सामने

रखी गई है, और जाहिर है कि यह चिंताजनक है। इससे पता चलता है कि ऐसी गतिविधियां हैं जिनका एक निश्चित उद्देश्य है किसी विमर्श या दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।जयशंकर ने कहा, 'एक सरकार के रूप में, हम इसकी जांच कर रहे हैं, क्योंकि ऐसे संगठनों का दायित्व है कि वे जानकारी दें। और, मेरा मानना है कि तथ्य सामने आएंगे।' उन्होंने कहा कि मैंने पढ़ा, फलां व्यक्ति ने यूएसएड के साथ काम किया.. .देखिए, यह सवाल नहीं है कि आपने यूएसएड के साथ काम किया या नहीं, यूएसएड को अनुमति दी गई थी। यह ऐतिहासिक रूप यहां काम करता रहा है। लेकिन, यूएसएड को सद्भावनापूर्वक, सद्भावनापूर्ण गतिविधियां करने के लिए यहां अनुमति दी गई थी।'उन्होंने कहा, 'अब अमेरिका से यह संकेत मिल रहे हैं कि कुछ गतिविधियां दुर्भावनापूर्ण थीं। इसलिए इस पर निश्चित रूप से गौर किया जाना चाहिए और यदि ऐसा कुछ है तो मेरा मानना है कि देश को पता होना चाहिए कि दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों में कौन लोग शामिल हैं।'इससे पहले मियामी में बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) द्वारा दिए गए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण पर सवाल उठाया था और सवाल किया था कि क्या किसी और को चुनाव जिताने के प्रयास के तहत ऐसा किया गया।

वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के '21 मिलियन डॉलर' के दावे के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने मोदी सरकार के भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के वादे पर सवाल उठाया। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या उनकी 'डबल इंजन' सरकार का एक इंजन 'विदेशी' है।

बिहार में अब 100 साल पुराना पुल गिरा, भाजपा की धन्यवाद यात्रा से पहले हादसा

यूएनएस।

नई दिल्ली। मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड क्षेत्र में एक 100

साल पुराना पुल ताश के पत्तों की तरह बिखर गया, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। यह हादसा गरहां-हथौड़ी-अमनौर-औराई सड़क मार्ग पर अमनौर खाखर टोला के पास हुआ।

गनीमत यह रही कि हादसे के महज कुछ मिनट पहले ही एक बस पुल से गुजर चुकी थी, जिसे कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि इस पुल के गिरने से औराई प्रखंड की अतरार अमनौर, महेश्वाड़ा और कटरा प्रखंड की बेरई दक्षिणी पंचायत सहित करीब डेढ़ लाख से अधिक की आबादी प्रभावित हुई है। अब इन इलाकों के लोगों को शहर जाने के लिए सात किलोमीटर अधिक दूरी तय करनी होगी, जिसमें अधिकतर रास्ता पैदल पार करना पड़ेगा।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि करीब डेढ़ साल पहले इस सड़क की मरम्मत कराई गई थी। लेकिन उस दौरान पुल की फिटनेस की जांच नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि मरम्मत कार्य में लापरवाही बरती गई थी, जिसके कारण पुल की हालत नजरअंदाज कर दी गई।लोकसभा चुनाव के दौरान भी इसी पुल के पास एक ट्रक गिर गया था, जिससे इसके जर्जर होने के संकेत पहले ही मिल चुके थे।

कोसीकलां में डीएम ने नगर पालिका का किया औचक निरीक्षण

कूड़े के ढेर को देख ईओ को लगाई फटकार

मथुरा (यूएनएस)। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने शनिवार सुबह नगर पंचायत चैमुंहा और छाता के अलावा नगर पालिका कोसीकलां का औचक निरीक्षण किया। डीएम के निरीक्षण से अधिकारी और कर्मचारियों के होश उड़ गये। राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस रोड पर जगह-जगह कूड़े के ढेर और नालों में जमी सिल्ट को देख माथा ठनक गया। फटकार लगाते हुये तत्काल अधिशासी अधिकारी को सफाई कराने के निर्देश दिये। वहीं अवैध अतिक्रमण को अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही के लिये कहा। जिलाधिकारी ने सर्व प्रथम चैमुंहा अंडरपास, चैमुंहा तिराहा, चैमुंहा बाजार, वेंडिंग जोन आदि का अवलोकन किया। निरीक्षण के समय उन्होंने सबसे पहले नगर पंचायत चैमुंहा में साफ सफाई व्यवस्था परखी। चैमुंहा में मिली गंदगी एवं सडक किनारे जलभराव पर अधिशासी अधिकारी से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा

कि रोस्टर बनाकर साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें। ओवरब्रिज पर लटके जालों को साफ कराया जाए। जगह जगह खुली हुई नालियों को स्थाई रूप से ढका जाए।उन्होंने नालों की सफाई, खाली मकानों, प्लॉट में पड़े कूड़े को हटाने, रेहड़ी पटरी व ढकेल दुकानदारों को व्यवस्थित करते हुए वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दुकानदारों, रेहड़ी व पटरी वालों, आम जनमानस से वार्ता की तथा सभी को अपने दुकानों के सामने सफाई करने तथा डस्टबिन लगाने हेतु प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने अधिशानी अधिकारी को निर्देश दिए कि यदि कोई दुकानदार सफाई नहीं रखता है, तो उसे नोटिस जारी किया जाए। जिलाधिकारी ने सफाई कर्मचारियों से वार्ता की तथा निर्देश दिए कि नालियों की नियमित सफाई करे तथा नालियों की सिल्ट की सफाई भी सुनिश्चित करे। सडकों के किनारे जलभराव की समस्याओं की दूर करे। अधिशानी अधिकारी 15 दिनों में वेंडिंग जोन में दुकानों का आवंटन सुनिश्चित करे। इसके बाद डीएम का काफिला नगर पंचायत छाता का निरीक्षण किया। नगर पंचायत छाता में साफ सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छाता में भी मिली गंदगी पर अधिशासी अधिकारी से कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने ईओ को फटकार लगाते हुए कहा कि नगर पंचायत में साफ सफाई बेहतर क्यों नहीं हो रही है। नगर पंचायत छाता में बन रहे नाले, निर्माणाधीन नाले की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय को निर्देश दिए कि उक्त नाले की जांच कराएं। उसके बाद जिलाधिकारी ने नगर पालिका कोसीकलां का निरीक्षण किया। कोसीकलां में अस्थाई गौशाला का निरीक्षण किया। ईओ को निर्देश दिए कि बेसहारा गौवंशों को पकडकर गौशाला में लाएं। सांडों को एकत्रित कर श्रीपाद गौशाला में भिजवाएं। ईओ गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करे। उन्होंने नगर पालिका कोसीकलां में साफ सफाई की व्यवस्थाओं को देखा। कोसीकलां में भी मिली गंदगी पर ईओ से नाराजगी जाहिर की। जगह जगह खुली हुई नालियों को अस्थाई रूप से ढका जाए। जिलाधिकारी ने कस्बावासियों से उनकी समस्याएं सुनी तथा आश्वाशन दिया कि सभी का निदान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला प्रशासन आप लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने के लिए तत्पर है जो भी सार्वजनिक समस्याएं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, संबंधित अधिशासी अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी आदि मौजूद रहे।

भाजपा कैंट विधायक ने सुभाष नगर बूथ 78 पर सुना मन की बात

बरेली (यूएनएस)। मढीनाथ मंडल सुभाष नगर बूथ नं 78 पर मंडल महामंत्री रवि अरोड़ा के निवास पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का 119 वा एपिसोड कैंट विधायक प्रदेश सहकोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने सभी कार्यकर्ताओं, महानगर पदाधिकारी एवं व्यापारियों के साथ सुना। इस अवसर पर कैंट विधायक संजीव अग्रवाल के साथ डा सी पी एस चैहान, अरूण कश्यप अमरीश कठेरिया सुभाष वर्मा मयूरेश अग्रवाल रवि अरोरा मनजीत सिंह नागपाल मंटू चावला अनिल सक्सेना देशराज यादव रणदीप सिंह कृपाल सिंह गुरनाम सिंह मंगा अमरीक सिंह खुराना अमर सिंह जसविंदर सिंह अमित पाल सौरभ श्रीवास्तव चंद्रभान पाली रवि सक्सेना भूपेंद्र सिंह भूपेंद्र सिंह अमर अमरप्रीत समीर सिंह अमरप्रीत सनमीत सिंह अवतार सिंह चावला राजू चावला मिक्की आदि लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के ध्रुवघाट पर बना विद्युत शवदाह गृह हुआ शुरू

मथुरा, (यूएनएस)। धुर्व घाट पर तीन दशक के लंबे इंतजार के बाद पर्यावरण संरक्षण के ध्रुवघाट पर बना विद्युत शवदाह गृह शुरू हो गया। इसके साथ ही एमवीडीए ने नगर निगम को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी है। अब नगर निगम की समिति द्वारा ही इसका संचालन किया जाएगा। इसके शुरू होने से प्रतिदिन कई क्विंटल लकड़ी की बचत होगी, जिससे पेड़ों को जीवन मिल सकेगा। बिजली के साथ-साथ ये शव दाह गृह एलपीजी से भी संचालित होगा। 34 साल पूर्व ध्रुवघाट के पास विद्युत शवदाह गृह की स्थापना हुई थी। 1675 वर्ग मीटर में फैले इस भवन का 324.85 लाख रुपये की लागत से निर्माण कराने की मंजूरी मिली थी। तब शासन से पूर्ण स्वीकृति धनराशि न मिलने के कारण 1996 में भवन का निर्माण अधर में लटक गया। अप्रैल 2020 तक भवन इसी हाल में पड़ा रहा। इसके बाद देखरेख के अभाव में भवन जर्जर हो गया। बाद में अधिकारियों ने जर्जर भवन की एएमयू की एक समिति से जांच कराई। जांच समिति को भवन का एक हिस्सा बदहाल मिला। जर्जर हिस्से को तुड़वाकर अधिकारियों ने फिर से उस हिस्से का पुनर्निर्माण कराया। जून 2020 में भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी ये शुरू नहीं हो सका। जनवरी में ट्रायल के बाद ये साफ हो गया कि अब इसका प्रयोग शव दाह के लिए किया जा सकता है। इसी के चलते शनिवार को एमवीडीए ने शवदाह गृह नगर निगम को हैंडओवर कर दिया। सहायक अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी, एमवीडीए के जेई विमल कोहली, यमुना प्रदूषण याचिकाकर्ता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे। विद्युत शवदाह गृह भवन में अस्थि कलश अलमीरा, चैकीदार, ऑपरेटर के रहने की व्यवस्था और गैस सिलिंडर रखने के लिए भी कवर्ड बनाया गया है। साथ ही कार्यालय कक्ष, पुरुष व महिला वेटिंग हॉल, पुरुष व महिला शौचालय और बरामदा समेत पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

बाबा संत गाडगे की 149 जयंती मनाई,101 महिलाओं को बांटी साड़िया

बरेली (यूएनएस)। बाबा संत गाडगे धोबी समाज सेवा समिति के तत्वाधान में बाबा संत गाडगे की 149 जयंती कार्यक्रम अध्यक्ष कालीचरण दिवाकर व समिति के अध्यक्ष संतोष दिवाकर के नेतृत्व में सुभाष नगर क्षेत्र की नई बस्ती सिठौरा में मनाई गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजवीर सिंह प्राचार्य फरुखाबाद,राजीव कुमार बुलंदशहर,अतिथि विनोद दिवाकर,ए आर वर्मा, राजकुमार,राजीव कुमार ओमकार सिंह,दिनकर,राकेश दिवाकर,ओमप्रकाश पूर्व ब्लॉक प्रमुख,छोटेलाल चैधर,आर्य वर्मा,चंद्रपाल आर्य शान्ति विहार पार्षद द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में 101 गरीब महिलाओं को साड़ी का वितरण किया गया । अध्यक्ष संतोष दिवाकर ने दोनों संतों के सामाजिक योगदान को याद किया।संत गाडगे ने समाज में स्वच्छता और शिक्षा को बढ़ावा दिया। संत रविदास ने जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई।उन्होंने समानता और प्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम में राजकुमार भारती , रमेश वर्मा,रामरतन फौजी, विजेंद्र सागर,रामचंद्र सागर , नितिन चैधरी,विजय दिवाकर , राजू दिवाकर,सुशील भास्कर,, राजू मौर्य,मनोज यादव , सत्यवीर गौतम,आदेश दिवाकर , शैलेन्द्र दिवाकर,पिंटू दिवाकर , राधे श्याम दिवाकर आदि उपस्थित रहे।

टैक्स विभाग के कर्मियों को नगर आयुक्त ने लगाई फटकार

बरेली, (यूएनएस)। नगर निगम बरेली द्वारा राजस्व वसूली में लापरवाही दिखाने और सम्पत्तिकर की वसूली में पिछड़ने पर नगर आयुक्त संजीव मौर्य ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। शहर में संपत्तिकर वसूली में पिछड़ने पर नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य की इस कार्यवाही से टैक्स विभाग में हड़कंप मच गया है तो नगर आयुक्त ने विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को कम वसूली के चलते लताड़ भी लगाई है। कर समाहर्ता तुषार सिंह के अनुपस्थित रहने और वसूली में पिछड़ने पर उनको नगर आयुक्त द्वारा प्रतिकूल प्रविष्टि जारी कर दी गई है तो साथ ही कम वसूली पर कर समाहर्ता राजेंद्र कुमार, कर समाहर्ता जहांजेव कपिल कुमार को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। इतना ही नहीं राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह का एक माह का वेतन रोके जाने जाने के आदेश भी नगर आयुक्त द्वारा दिए गए हैं तो बताते हैं कि पहले भी कम वसूली के चलते इनका वेतन रोका जा चुका है जो अधिकारीयों की कृपादृष्टि के बाद जारी किया गया।

ट्रेन की चपेट में आए व्यक्ति का कटा पैर,हालत गंभीर

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में नशे में धुत व्यक्ति ट्रेन की पटरी पर टहल रहा था। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति का पैर कट गया। घटना के कारण 15 मिनट तक सिटी स्टेशन के पास ट्रेन को रोकना पड़ा। लोको पायलट के इमरजेंसी ब्रेक लगने से व्यक्ति की जान बच सकी। इस दौरान मौके पर पहुंचे लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी और आरपीएफ ने लाइन को क्लियर कराया। इसके बाद मुंबई से आवाजाही करने वाली ट्रेन नंबर 12108 मौके से रवाना हो सकी। वहीं, मामले में परिवार के लोगों से बातचीत में पता चला कि व्यक्ति गांजे का नशा करता था। इस दौरान जांच में भी व्यक्ति के नशे में धुत होने की बात सामने आ रही है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

फर्जीवाड़े पर रोक, जवाहर इंटर कॉलेज विवाद में ट्रस्ट को माना वैध

मथुरा, (यूएनएस)। जवाहर इंटर कॉलेज, ओल को हड़पने की साजिश रच रहे असामाजिक तत्वों को हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सोसाइटी के नवीनीकरण (रिनुअल) को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने न केवल स्टे आदेश जारी किया, बल्कि वर्तमान में संचालित ट्रस्ट को ही वैध माना। इस ऐतिहासिक निर्णय से विद्यालय प्रबंधन को बड़ी राहत मिली है और फर्जीवाड़े की साजिश पर पूर्ण विराम लग गया है।जवाहर इंटर कॉलेज के प्रबंधक हरिओम सिंह ने बताया कि दिनेश कुमार, रामगोपाल, मुकेश सहित कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों ने विद्यालय को जबरन हड़पने की नीयत से एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा। इन लोगों ने फर्जी सदस्यता रसीदों के आधार पर केनरा बैंक में एक नया खाता खुलवाया, जिसमें बैंक प्रबंधक की मिलीभगत सामने आई। इसके अलावा, सोसाइटी फर्म एवं चिट्स कार्यालय के सब-रजिस्ट्रार विपुल कुमार से साठगांठ कर वर्ष 2017 में पहले से समाप्त हो चुकी सोसाइटी को अवैध रूप से पुनर्जीवित (रिनुअल) करवा लिया। जबकि 2016 के शासनादेश के तहत यह सोसाइटी पहले ही ट्रस्ट में परिवर्तित हो चुकी थी, जिसकी विधिवत सूचना संबंधित विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद, आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नवीनीकरण कराने का षड्यंत्र रचा।पीड़ित पक्ष ने इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। न्यायालय ने तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तत्काल प्रभाव से फर्जी सोसाइटी के नवीनीकरण पर रोक लगाने का आदेश दिया और वर्तमान में संचालित ट्रस्ट को वैध ठहराया।

इससे पहले, मंडल स्तरीय तीन सदस्यीय जांच समिति ने भी पूरे प्रकरण की गहन जांच की थी। जांच में यह स्पष्ट हो गया कि आरोपी पक्ष ने नियमों की अनदेखी कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए थे। कोर्ट ने इस मामले में दोषियों पर आगे की कार्यवाही के निर्देश भी जारी किए हैं।

गौरतलब है कि यह विवाद नया नहीं है। 23 अक्टूबर 2005 को भी विद्यालय के प्रबंधक पद पर कब्जा जमाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। इस साजिश में शामिल व्यक्तियों ने प्रबंधक गिरवर सिंह को हटाने का प्रयास किया था। गिरवर सिंह ने इस धोखाधड़ी के खिलाफ आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया था।

पूर्व प्रबंधक गिरवर सिंह के अनुसार, 2005 में सोसाइटी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नियमानुसार चुनाव कराया गया था। इसके पश्चात, 2008 में विद्या प्रचारिणी सभा की प्रबंधन समिति ने संस्था की छवि धूमिल करने वालों पर कार्रवाई करते हुए उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी। तभी से असामाजिक तत्वों द्वारा विद्यालय के प्रबंधन को लेकर निरंतर षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। हालांकि, हर बार जांच में उनके आरोप निराधार साबित हुए हैं।हाईकोर्ट के इस फैसले से विद्यालय प्रबंधन को एक बड़ी कानूनी राहत मिली है। अब संस्थान में किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि नहीं हो सकेगी और विद्यालय का प्रशासन सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो सकेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थानीय प्रशासन हाईकोर्ट के इस फैसले को लागू करवाने के लिए किस तरह की कार्रवाई करता है। विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी, जिससे भविष्य में इस प्रकार के फर्जीवाड़े की पुनरावृत्ति न हो सके।

बरसाना की लड्डू और लट्ठमार होली का भव्य आयोजन,सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य

मथुरा,23 फरवरी 2025 (यूएनएस)। ब्रजभूमि में एक बार फिर प्रेम,भक्ति और उल्लास की वर्षा होने जा रही है।श्रीराधारानी के पावन धाम बरसाना में लड्डू होली और लट्ठमार होली के भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में इस उत्सव को दिव्य और भव्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बरसाना के मेला क्षेत्र को ड्रोन कैमरा और 126 सीसीटीवी कैमरों की पैनी नजरों में रखा जाएगा।7 जोन और 18 सेक्टरों में विभाजित मेला क्षेत्र में पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेगा।रंगीली गली के मकानों की छतों पर पुलिस की विशेष तैनाती की जाएगी,जिससे कोई भी व्यक्ति छज्जों से हुड़दंग न कर सके।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं

राधारानी के धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने कई अहम कदम उठाए हैंकृ

श्रीराधारानी मंदिर में प्रवेश सीढ़ियों से होगा,और निकास जयपुर मंदिर मार्ग से कराया जाएगा।

56 पार्किंग, 94 बैरियर, 7 कुंडों की बैरिकेडिंग और 6 वॉच टावर बनाए जा रहे हैं।

नंदगांव में 16 पार्किंग और 35 बैरियर बनाए जा रहे हैं।

13 मेडिकल कैंप, 12 एंबुलेंस, 5 बाइक एंबुलेंस और सभी सीएचसी-पीएचसी एक्टिव मोड में रहेंगे।

150 विशेष बसें मथुरा और वृंदावन से बरसाना के लिए संचालित की जाएंगी।

मेला क्षेत्र को मिलेगा भव्य स्वरूप

होली के दिव्य आयोजन को और भव्य बनाने के लिए मेला क्षेत्र को राधाकृष्ण की लीलाओं के चित्रों से सजाने,विशेष लाइटिंग और आकर्षक प्रवेश द्वारों के निर्माण के निर्देश दिए गए हैं। रंगीली गली में जर्जर भवनों और लटके छज्जों को हटाने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि शांति भंग करने वालों,अफवाह फैलाने वालों और हुड़दंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।हर सीसीटीवी कैमरे के पास ष्आप कैमरे की निगरानी में हैंष् का बोर्ड लगाया जाएगा, साथ ही पीए सिस्टम से लगातार अनाउंसमेंट की जाएगी ताकि शरारती तत्वों में भय बना रहे।

स्वच्छता और सुविधाओं पर विशेष ध्यान

नगर पंचायत जर्जर मकानों के मालिकों को नोटिस जारी करेगी और उन्हें ध्वस्त कराएगी।

सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिजली विभाग ने खंभों की प्लास्टिक रैपिंग सुनिश्चित करने और ढीले तारों को दुरुस्त करने के आदेश जारी किए हैं।

गौशालाओं में गौवंशों को पहुंचाने, अवैध होर्डिंग हटाने और नगर क्षेत्र को स्वच्छ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी मुस्तैदी से कार्य करेगा।

धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव

बरसाना की लड्डू होली 7 मार्च को और लट्ठमार होली 8 मार्च को धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके बाद 9 मार्च को नंदगांव में लट्ठमार होली,10 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मस्थान और बांके बिहारी मंदिर की फूल होली, 11 मार्च को श्रीद्वारिकाधीश मंदिर और गोकुल की छड़ीमार होली, और 15 मार्च को दाऊजी का हुरंगा आयोजित होगा।बैठक में विधायक बल्देव पूरन प्रकाश,उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र,जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह,पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय,सीईओ श्याम बहादुर सिंह,नगर आयुक्त शशांक चैधरी,समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।बरसाना की ऐतिहासिक होली को भव्य और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह तत्पर है। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे नियमों का पालन करें और इस दिव्य उत्सव का आनंद लें।

जिलाधिकारी ने चाय पीकर बढ़ाया कर्मचारियों का मनोबल

मथुरा, (यूएनएस)। कोसीकलां में डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने सुबह करीब आठ बजे एडीएम वित्त योगानंद पांडेय के साथ नगर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। डीएम ने सफाई कर्मचारियों के साथ चाय पीकर उनका मनोबल बढ़ाया। नंदगांव रोड पर डीएम ने अपने काफिला को रोककर एक दुकानदार द्वारा किए अतिक्रमण को हटाने को कहा। वहीं अस्थायी गोशाला एवं पशु चिकित्सालय के समीप प्रतीक्षालय का निरीक्षण करते हुए भगवती रोड, सब्जी मंडी, पंजाबी बाजार, घंटाघर, पुरानी जीटी रोड पहुंचे। जहां डीएम ने कुल्लड़ में चाय की चुस्की लेते हुए कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया।

राजधानी में 9 वी क्वियर प्राइड वॉक निकाली गई

विवाह समानता के मुद्दा पर आवाज उठाई

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी में रविवार को क्वियर प्राइड वॉक का आयोजन किया गया। 10 राणा प्रताप मार्ग से 1090 चैराहे तक निकाली गई वॉक निकाली गई। इस वॉक में लेज्बिटेक् समुदाय के सदस्यों, सहयोगियों, कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। इस वर्ष ये वॉक 'विवाह समानता' थीम पर निकाली गई। यादवेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष की प्राइड वॉक लेज्बिटेक् जोड़ों के लिए समान विवाह अधिकारों की लड़ाई पर केंद्रित थी। लेज्बिटेक निर्णय (2014) और धारा 377 के अपराधीकरण को समाप्त करने की 2018 में महत्वपूर्ण कानूनी प्रगति के बावजूद, विवाह के अधिकार अभी भी क्वियर समुदाय की एक प्रमुख मांग बानी हुई है। हिस्सा लेने वाले लोगों ने कहा कि समान-लिंगी विवाह को कानूनी मान्यता देने, गोद लेने के अधिकार, और विवाह संबंधी सुविधाओं की सामान्य मांग जारी है। यादवेंद्र सिंह ने कहा कि हमने जो प्रगति की है, उसका हम जश्न मनाते हैं। लेकिन सच्ची समानता की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। मोहब्बत का कोई लिंग नहीं होता हर जोड़े को विवाह करने, सम्मान और कानूनी सुरक्षा के साथ अपना जीवन जीने का अधिकार है।

अस्पताल के एचआर के साथ मारपीट, सिर पर मारा लोहे की रॉड

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में अस्पताल के एचआर के साथ अज्ञात युवकों ने मारपीट की। आरोपी पांच किलोमीटर तक पीछा करने के बाद कार रोकी। कार से उतारकर गाड़ी के औजार से सिर पर हमला कर गंभीर घायल कर दिया। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस केस दर्ज करके आरोपी की तलाश कर रही है। एमतमदपुर आगरा निवासी देवेंद्र प्रताप पुत्र वीरी सिंह डॉ. केएनएस मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एचआर हेड के पद पर तैनात हैं।

न्यूज डायरी

खिदमत फाउंडेशन ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं व बेटियों को दिए प्रमाण पत्र

औरैया, (यूएनएस)। खिदमत फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष व वरिष्ठ जन मौजूद रहे। रविवार को नगर पंचायत प्रदर्शनी के फफूंद महोत्सव पंडाल में कस्बे की समाजसेवी संस्था खिदमत फाउंडेशन द्वारा 47 बालिकाओं व महिलाओं को सिलाई के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।खिदमत फाउंडेशन के अध्यक्ष पूर्व प्रवक्ता सैय्यद सुल्तान अहमद ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा अभी शुरुआत में लोगों की सहायता से गरीब व जरूरतमंद महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद अनवर ने कहा कि सभी वर्गों के गरीब बच्चों को अपनी खिदमत में शामिल करें।सिलाई के साथ बच्चों में तालीम की अलख जगाएं व हाईटेक दौर में कप्यूटर शिक्षा पर भी ध्यान दें।वीजीएम के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर इफ्तिखार हसन ने कहा कि ऐसा सेवा का भाव पैदा करें किसी गरीब के बच्चे को अहसास नहीं होने दें कि वह पैसे के अभाव में शिक्षा से वंचित रहा।शिक्षा से ही वंचित वर्ग का सुधार हो सकता है।इस दौरान सोशल वेलफेयर कमेटी अध्यक्ष आसिफ सिद्दीकी,महताब हुसैन अंसारी(गेल डीएवी),अन्नू अग्निहोत्री,सलीम खान मेव, रामजी मिश्रा,ओमबाबू तिवारी,अन्नी तिवारी,रामजी मिश्रा,इकबाल चैधरी,आफाक इलाही,बच्चू भाई समेत तमाम लोग शामिल रहे।

सर्वजन सुखाय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कार्यकर्ता परिचय सम्मेलन

औरैया, (यूएनएस)। सर्वजन सुखाय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कार्यकर्ता परिचय व निर्देशन सम्मेलन में औरैया जिला के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक एवं परिचय कर पार्टी की आगे की रणनीतियां तय की गई। जिससे कि पार्टी के कार्यों में गति देने के लिए ऊर्जावान कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को मजबूती के साथ साफ, सुथरी, ईमानदार, सर्वग्राही, मानवता पोषक व प्रखर राष्ट्रवाद की राजनीति का मजबूत स्तम्भ बन कार्य करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि हम हर समय अपने कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने का काम करते हैं। गरीब मजलूम शोषित वंचित लोगों को आगे बढ़ाने का पार्टी के द्वारा कार्य किया जा रहा है। शिक्षा जगत में भी गरीबों के बच्चों को पढ़ा लिखा कर आगे पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।हमारी पार्टी किसी भी तरीके का कोई भी विरोध ना करते हुए शोषित हक वंचित आदि को आगे बढ़ने के साथ आपने हकों के लिए जागरूक करने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे सर्वजन सुखाय पार्टी राष्ट्रीय सचिव राजकुमार यादव व रामशंकर शर्मा प्रदेश अध्यक्ष विवेक यादव प्रदेश महासचिव रामदास यादव ,प्रदेश सचिव अभिलाख यादव, प्रदेश सचिव सोनेन्द यादव संरक्षकमण्डल के पदाधिकारी लाखन सिंह यादव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कानपुर मण्डल अध्यक्ष रानू खान, औरैया जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह यादव, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अम्बुज यादव, उपाध्यक्ष गीतम सिंह यादव, उपाध्यक्ष हरगोविंद राजपूत, वरिष्ठ महासचिव उपेंद्र यादव, बुद्धि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन यादव, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सलीम खान, के साथ-साथ विधानसभा अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष एवं सैकड़ो पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गढ़ कार्यक्रम में मौजूद रहें।

बीच रोड पर जगह- जगह निर्माण सामग्री डालने से राहगीर परेशान , कई हुए चोटिल

औरैया, (यूएनएस)। महेवा-अछल्दा मार्ग पर गांव लिधौरा निकट बंबा के पास नाला निर्माण होने हेतु मार्ग के बीच व किनारे चार दिनों से निर्माण सामग्री गिट्टी डलवाकर मार्ग अवरुद्ध कर देने से वाइक सवार गिट्टी पर गिरकर चुटहिल हुए जब कि रात दिन यह मुख्य मार्ग पर आवागमन बना हुआ है। निर्माण सामग्री गिरने पर राहगीरो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटना होने की आशंका बनी सड़क पर निर्माण सामग्री पड़ी होने से दो पहिया वाहनों को सबसे ज्यादा खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों में गौरव कुमार,भूरे,राजू सक्सेना,धर्मेंद्र कठेरिया, मदन सिंह,घनश्याम शाक्य,रामाधार आदि का कहना है कि सम्बंधित ठेकेदार से निर्माण सामग्री बीच से हटाने की बात कही तो उसने अनसुनी कर दी।ग्रामीणों समेत राहगीरो समेत चालको ने जिलाधिकारी ड़ा इंद्रमणि त्रिपाठी से जनहित में मांग की है मुख्य मार्ग पर पड़ी गिट्टी आदि निर्माण सामग्री को हटवा दिया जाए वरना कोई भी हादसा हो सकता है। तीव्र गति से आने वाले वाहन चालक गिरकर चुटहिल हो रहे है।

कछुआ तालाब परिसर में लगी लाइटें कई महीनों से हैं खराब

पनकी कानपुर, (यूएनएस)। श्री नागेश्वर महादेव मंदिर कछुआ तालाब में नगर निगम द्वारा लगाई गई स्ट्रीट लाइटें विगत कई महीनों से खराब पड़ी हुई हैं। जबकि दो दिन बाद 26 फरवरी को शिवरात्रि का महापर्व आने वाला है। इसके बावजूद भी नगर निगम के उच्च अधिकारियों का इस तरफ ध्यान नहीं जा रहा है।पनकी में प्राचीन व ऐतिहासिक कछुआ तालाब के चारों ओर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर निगम द्वारा सुंदरीकरण कराया गया था। जिम्मेदारों की लापरवाही से कई कार्य निम्न स्तर पर किए गए। हालांकि जिसमें से करोड़ों रुपये लगाकर तालाब परिसर को सजाया गया। वहीं कानपुर नगर लापरवाही के चक्कर में कुछ व्यवस्थाएं आज भी अधूरी पड़ी हैं। जिनको लेकर कानपुर नगर निगम के उच्च अधिकारी का कोई ध्यान केंद्रित नहीं हो रहा है।

यूजीसी नेट परीक्षा पास कर राफिया ने बढ़ाया कस्बे का मान

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। कस्बे के रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय की एम् ए फाइनल हिंदी विषय की छात्रा राफिया ने यूजीसी द्वारा जारी किए गए यूजीसी नेट के परिणाम में असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) पास की है इस पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं हिंदी विभाग के प्रोफेसर सहित समस्त शिक्षक गौरव महसूस कर रहे हैं। ग्रामीण परिवेश से आने वाली छात्रा राफिया की कड़ी मेहनत एवं विद्वान प्राध्यापकों के मार्गदर्शन से यह संभव हुआ है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हरीश कुमार सिंह ने छात्र राफिया एवं हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ जितेंद्र कुमार एवं डॉ निधि अग्रवाल को शुभकामनाएं ज्ञापित की। सत्ता एक्सप्रेस परिवार की ओर से भी उदीयमान छात्रा को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

ऑपरेशन सुदर्शन के तहत 980 ग्राम चरस बरामद,आरोपी गिरफ्तार

कानपुर नगर। नशे और अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ष्ऑपरेशन सुदर्शनष् के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम और सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक कल्याणपुर द्वारा गठित टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध चरस के साथ घूम रहा है।इस सूचना के आधार पर टीम ने बारासिरोही नहर पुल के पास घेराबंदी कर अभियुक्त हरि कृष्ण योगी उर्फ लाला (52 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।आरोपी के पास से 980 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई।गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ थाना कल्याणपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है ।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार को लेकर साधा निशाना

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ में अव्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महाकुंभ के आयोजन में बुरी तरह फेल हो गई है। यातायात व्यवस्था, सफाई और पानी की गुणवत्ता में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। संगम के जल की शुद्धता को लेकर केंद्र और राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आपस में उलझे हुए हैं, लेकिन सरकार इस समस्या का कोई समाधान निकालने में असमर्थ रही।कानपुर में मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार अब 'डबल ब्लंडर' सरकार बन चुकी है।

महाकुंभ में व्यवस्था के नाम पर केवल भ्रष्टाचार किया गया। गंगा की सफाई के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि पूरा बजट साफ कर दिया गया, जबकि गंगा का पानी आज भी गंदा ही है। सरकार ने सड़कें दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन हकीकत यह है कि वे सड़कें पहले से भी बदतर हालत में हैं।महाकुंभ में भगदड़ के दौरान कई श्रद्धालुओं की मौत हुई, लेकिन सरकार ने न तो उनकी सही संख्या बताई और न ही उनके परिजनों की कोई मदद की। यात्रा के दौरान हुई दुर्घटनाओं में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई, लेकिन भाजपा सरकार ने उन परिवारों को कोई राहत नहीं दी। सरकार के पास श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए

कोई ठोस योजना नहीं थी, जिससे महाकुंभ में अराजकता की स्थिति बनी रही।अखिलेश यादव ने भाजपा पर धार्मिक भेदभाव करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जब वे कन्नौज के एक मंदिर में दर्शन करने गए थे, तो उनके जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने वहां गंगा जल से धुलाई करवाई थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब जब उन्होंने महाकुंभ में गंगा स्नान कर लिया है, तो भाजपा बताए कि गंगा जी को वे किससे और कैसे शुद्ध करेंगे?भाजपा सरकार की आर्थिक और सामाजिक नीतियों पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लगातार पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की उपेक्षा कर रही है। पिछले नौ बजटों में पीडीए समुदाय को सरकार ने कोई महत्व नहीं दिया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से इन वर्गों को सम्मान और अधिकार दिए थे, लेकिन भाजपा सरकार धीरे-धीरे आरक्षण व्यवस्था को खत्म कर रही है। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में पीडीए समुदाय के लिए कोई उच्च पद सुरक्षित नहीं किया गया है, जिससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा सरकार भेदभाव की नीति पर काम कर रही है।उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार की सच्चाई अब जान चुकी है। पीडीए के लोगों ने इस बार भाजपा को रिकॉर्ड वोटों से हराने का मन बना लिया है। 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ श्रद्धालुओं की आस्था का पर्व है और यह आयोजन जनता का होता है, लेकिन भाजपा सरकार इसमें भी असफल रही। जब सरकार से सवाल पूछे जाने लगे तो मुख्यमंत्री ने विधानसभा में उर्दू भाषा को लेकर विवादित बयान दे दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को यह भी नहीं पता कि उर्दू भारत की ही भाषा है, जो यहीं पली-बढ़ी और विकसित हुई है। सदन में जब मुख्यमंत्री ने उर्दू के बारे में अनर्गल बातें कहीं, तो स्पीकर ने उन्हें रोकने के बजाय मुस्कुराकर समर्थन दिया। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी हत्या है।व्यापारियों और उद्योगों की हालत पर चिंता व्यक्त करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण कानपुर के व्यापार और उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कानपुर एक समय औद्योगिक नगरी के रूप में जाना जाता था, लेकिन भाजपा के शासन में यहां के उद्योग-धंधे ठप हो गए हैं। कानपुर के लोगों ने भाजपा सरकार के सांसद, विधायक और स्पीकर सब देख लिए, लेकिन इनमें से किसी ने भी शहर के विकास और रोजगार सृजन के लिए कुछ नहीं किया।गंगा की सफाई को लेकर भाजपा सरकार के दावों को खारिज करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कानपुर में गंगा की स्थिति आज भी बदहाल है। केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियां आपस में ही लड़ रही हैं, लेकिन जल को साफ करने की दिशा में कोई काम नहीं हो रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि कानपुर के उद्योग फिर से अपने पुराने स्वरूप में लौटें। कानपुर कभी प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता था, लेकिन भाजपा सरकार इसे लगातार उपेक्षित कर रही है। हाल ही में पेश किए गए बजट में भी कानपुर के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा सरकार को कानपुर और प्रदेशवासियों की कोई चिंता नहीं है।

एलडीए में मकान दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, शातिर जालसाज गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में मकान दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर ठग को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को झांसे में लेता था और फर्जी आवंटन रसीद देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी, लेकिन वह बार-बार अपना ठिकाना बदलकर बचने की कोशिश कर रहा था। आखिरकार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद रियाज (35) पुत्र मोहम्मद फकीर, निवासी गुलाब सिटी, जेहटा रोड, थाना दुबग्गा, लखनऊ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना ठाकुरगंज में मु.अ.सं. 751/2023 धारा 406, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि के तहत मामला दर्ज था और वह काफी समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने लोगों को सरकारी मकान दिलाने का लालच देकर उनसे मोटी रकम ऐंठी। वह खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर भरोसा जीतता और फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी को अंजाम देता था। इसी तरह, उसने वादिनी नुसरत जहां पत्नी आबिद हुसैन, निवासी मोहन रोड, आलमनगर, लखनऊ को भी अपने जाल में फंसाया।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य समापन

लखनऊ (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा आयोजित 'प्रथम बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता' का 23 फरवरी को शानदार समापन हुआ। इस प्रतियोगिता ने विधि छात्रों को कानूनी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया और उन्हें न्यायिक प्रणाली की जमीनी हकीकत से अवगत कराया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय, लखनऊ बेंच के न्यायाधीश माननीय जस्टिस सैय्यद कमर हसन रिजवी उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि को पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।मुख्य अतिथि जस्टिस सैय्यद कमर हसन रिजवी ने विधि छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं कानूनी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया का वास्तविक अनुभव प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं से छात्रों में तर्क शक्ति, आत्मविश्वास और कानूनी मुद्दों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है, जो उन्हें भविष्य में एक कुशल अधिवक्ता बनने में मदद करता है।विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा ने कहा कि विधि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी उतना ही आवश्यक है। मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया से परिचित कराती हैं और उन्हें कानूनी तर्कों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर देती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं।प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में माननीय जस्टिस ओम प्रकाश त्रिपाठी और माननीय जस्टिस सुनीत कुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जस्टिस ओम प्रकाश त्रिपाठी ने संविधान और कानून के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक सफल अधिवक्ता बनने के लिए कानूनी धाराओं की गहरी समझ आवश्यक है। जस्टिस सुनीत कुमार ने कानूनी शिक्षा में मौजूद चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. शाश्या मिश्रा, डॉ. श्वेता त्रिवेदी, एडवोकेट सुयश, श्री मनमीत और श्री आयुष वर्मा शामिल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।प्रतियोगिता के समापन पर विधि विभाग की छात्रा अनन्या मंगलम ने प्रतियोगिता की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद मुख्य अतिथि और आयोजन समिति द्वारा विजेता टीमों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र, मेडल और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। सदनलाल सवलदास खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की टीम ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया और 21,000 रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित हुई। क्राइस्ट विश्वविद्यालय, दिल्ली की टीम दूसरे स्थान पर रही और 15,000 रुपये की धनराशि प्राप्त की। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दामोदरम संजीवय्या नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम और एशियन लॉ कॉलेज, नोएडा की टीमों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर प्रो. संजीव कुमार चड्ढा, डॉ. मिलिंद राज सहित विभिन्न शोधार्थी, प्रतिभागी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।प्रतियोगिता ने विधि छात्रों के बीच कानूनी ज्ञान, तार्किकता और प्रस्तुति कौशल को बढ़ावा देने का कार्य किया।

मलिहाबाद पुलिस ने 8 वांछित अपराधियों को दबोचा, लगातार जारी है वारंटी अभियान

लखनऊ (आरएनएस)।अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देश पर मलिहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस ने विभिन्न संगठित अपराधों और वारंट से जुड़े मामलों में फरार चल रहे आठ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे और अलग-अलग मामलों में अदालत से जारी गैर-जमानती वारंट (ँ) के तहत वांछित थे।पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेशानुसार पूरे जिले में संगठित अपराधों पर लगाम कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के कुशल निर्देशन और अपर पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद की देखरेख में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने सटीक रणनीति बनाते हुए छापेमारी की और आठ वारंटी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार किए गए अपराधियों में दानिश पुत्र अमीर हसन, लल्लू पुत्र गोधन, शंकर लाल पुत्र गोधन, रामकिशोर पुत्र हरकरन, सुरेश पुत्र तुलसी, पवन कुमार पुत्र देशराज पासी, सुरेश कुमार पुत्र भगीरथ और अजय पुत्र गोविंद शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग अपराधों में संलिप्त थे और न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के तहत वांछित चल रहे थे। पुलिस ने सभी को उनके ठिकानों से हिरासत में लिया और उन्हें आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस जांच में सामने आया कि इनमें से कई अपराधी गंभीर मामलों में संलिप्त रहे हैं। कुछ पर मारपीट, धमकी, अवैध गतिविधियों और संगठित अपराध में लिप्त होने के मामले दर्ज थे, जबकि कुछ पर आबकारी अधिनियम और धोखाधड़ी से जुड़े गंभीर आरोप थे। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी, लेकिन ये अपराधी बार-बार अपना ठिकाना बदलकर गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहे थे।

सरोजनी नगर में हत्या पीड़ित परिवार से मिला समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल, न्याय का दिलाया भरोसा

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सरोजनी नगर विधानसभा के ग्राम बेहटा पहुंचा, जहां उन्होंने हाल ही में हुए हत्या कांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। ज्ञात हो कि 19 फरवरी को एक शादी समारोह में जमीनी विवाद को लेकर हुई कहासुनी में अंकित लोधी की हत्या कर दी गई थी।प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।प्रतिनिधिमंडल में विधायक राहुल लोधी, लखनऊ जनपद के जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत, महासचिव शब्बीर अहमद खान, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, सांसद प्रतिनिधि बचान सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष ललित राजपूत लोधी, पूर्व जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी राम प्रकाश यादव, वरिष्ठ

नेता गिरधारी लाल लोधी, सरोजनी नगर विधानसभा अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड नागेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष हलीम खान, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष मनोज कुमार पाल, गुलाब सिंह लोधी, आशीष पाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुखदर्शन रावत, यशवीर लोधी, भरत यादव, मायाराम वर्मा, हरिपाल यादव, अनिल पासी, महेश लोधी, नागेंद्र लोधी, सतेंद्र राना, सुशील पाल, शिवम यादव गोलू, अमर लोधी, अमित लोधी, सूरज लोधी और ज्ञान प्रकाश लोधी सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।समाजवादी पार्टी के नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिया जाए। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो समाजवादी पार्टी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

शिक्षकों के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए आम आदमी पार्टी का अभियान, पोस्टर चस्पा कर मांगी जाएगी जानकारी

लखनऊ(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) शिक्षक प्रकोष्ठ ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत राजधानी लखनऊ के सभी एडेड विद्यालयों और शिक्षा विभाग के कार्यालयों पर पोस्टर चस्पा किए जाएंगे, ताकि शिक्षकों को अपने लंबित मामलों की जानकारी देने का अवसर मिल सके।शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने बताया कि इस अभियान का प्रथम चरण 25 फरवरी से 15 मार्च तक चलेगा। इस दौरान जारी किए गए मोबाइल नंबरों 9455006045 और 9454672868 के माध्यम से शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी अपने लंबित प्रकरणों की जानकारी साझा कर सकेंगे। इसके बाद, इन मामलों के समाधान के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। यदि अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया तो बोर्ड परीक्षा के बाद विरोध प्रदर्शन और आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।महेंद्र सिंह ने बताया कि लखनऊ जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है। बिना रिश्वत दिए शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कार्य नहीं किए जाते। बड़ी संख्या में वेतन, एरियर, चयन, प्रोन्नत वेतनमान आदि से जुड़े प्रकरण लंबित हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि शिक्षकों को अपने वेतन या प्रोन्नति के लिए 25 प्रतिशत तक कमीशन देना पड़ता है। जो शिक्षक घूस नहीं देते, उनके मामलों को जानबूझकर लटका दिया जाता है, जिससे वे लगातार परेशान रहते हैं।प्रदेश अध्यक्ष ने शिक्षकों को आश्वासन देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक या शिक्षणेत्तर कर्मचारी को अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। वे अपने मामलों की जानकारी दिए गए नंबरों पर साझा करें, हर एक प्रकरण को गंभीरता से लेकर उसका समाधान कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की निरंकुशता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

समाजवादी पार्टी कार्यालय में संत गाडगे महाराज की जयंती सादगी से मनाई गई

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आज स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रणेता संत गाडगे महाराज की जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने संत गाडगे के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।समारोह में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह और मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया सहित कई प्रमुख नेताओं ने संत गाडगे की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संत गाडगे को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन मानव सेवा और समाज सुधार के लिए समर्पित किया। वे न केवल आध्यात्मिक गुरु थे,

राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, समान भागीदारी पर जोर

लखनऊ (आरएनएस)। राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक जवाहरलाल नेहरू युवा केंद्र, हुसैनाबाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष पीसी कुरील की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय भागीदारी कार्यक्रम को विस्तार देने और समाज के हर वर्ग को समान भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर गहन चर्चा की गई।इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव मुर्तजा अली ने कहा कि भागीदारी आंदोलन का उद्देश्य देश में उपलब्ध सभी संसाधनों–सामाजिक, आर्थिक, कृषि भूमि, खनिज पदार्थ और औद्योगिक इकाइयों–में समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भागीदारी सिर्फ एक विचार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सईक सिद्दीकी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार सेवा, नौकरी और रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। इसके साथ ही, आर्थिक सहायता, ब्याज मुक्त ऋण, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेंशन जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। उन्होंने बताया कि भागीदारी आंदोलन से जुड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।बैठक में विभिन्न वक्ताओं

ने अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व आईएएस अधिकारी अनीस अंसारी ने कहा कि देश की आबादी के हिसाब से सभी वर्गों को समान हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। रोहित अग्रवाल ने भागीदारी की शक्ति को एकता का प्रतीक बताया, जबकि रसूलुल्लाह खान ने इसे स्वतंत्रता संग्राम की भागीदारी से जोड़ने की बात कही।पूर्व विधायक आचार्य रामलाल ने कहा कि यह लड़ाई हिस्सेदारी की है और इसे संगठित संघर्ष से ही हासिल किया जा सकता है। पारसनाथ ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस आंदोलन के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें। इंजीनियर महबूब रायनी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा और अपनी हिस्सेदारी के लिए प्रयास करना होगा।बैठक में कार्यकारिणी के गठन को लेकर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें पूर्व न्यायाधीश जगदीश, पूर्व विधायक आचार्य रामलाल, पूर्व मंत्री के के गौतम, भानु प्रताप सिंह, रामबाबू रस्तोगी, सतवीर जाटों, मौलाना अली हुसैन कुम्मी, अजय कुमार रवी, पप्पू ताराचंद, एस एन कुशवाहा, मोहम्मद आफाक, शिवकुमार, नरेंद्र यादव और सुभाष गौतम सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।बैठक के अंत में प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सईक सिद्दीकी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और आंदोलन को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

न्यूज डायरी

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, छह लोग घायल

लखनऊ (आरएनएस)। हुसैनगंज थाना क्षेत्र में आनंद मोटर्स के सामने शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा में सवार

यात्रियों समेत चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10:50 बजे हुआ, जब ई-रिक्शा सवारियां लेकर जा रहा था। तभी एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा पलट गया और उसमें बैठे लोग सड़क पर गिर पड़े।दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सभी घायलों को पहले सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से चार की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। घायलों में अर्जुन, हजारा बेगम, नेहा, मोहम्मद हसन और अंशु पटेल शामिल हैं, जिनका इलाज जारी है।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, और प्राप्त शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वारंटी अभियान के तहत माल पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। महाकुंभ प्रयागराज 2025 के दृष्टिगत चलाए जा रहे वारंटी अभियान के तहत थाना माल पुलिस ने दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी माननीय न्यायालय एसीजेएम छ लखनऊ द्वारा जारी वारंट के क्रम में की गई।गिरफ्तार अभियुक्तों में पहला नाम रामशंकर पुत्र जमुना का है, जो ग्राम बांझी, थाना माल का निवासी है। इस पर वर्ष 2004 में थाना माल में दर्ज एक मामले (मु.अ.सं. 109/04, धारा 354 भादवि) में वारंट जारी किया गया था। वहीं, दूसरा अभियुक्त रामकुमार पुत्र शिवराम, निवासी ग्राम रामपुर मजरा मसीढ़ा रतन, थाना माल, वर्ष 1994 के एक मुकदमे (मु.अ.सं. 107/94, धारा 457/380/411 भादवि) में वांछित था।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दोनों अभियुक्त अपने-अपने घरों में मौजूद हैं। इस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम बांझी और ग्राम रामपुर में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों को माननीय न्यायालय के आदेश और उनके खिलाफ जारी अधिपत्र से अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूरी कर दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।इस कार्रवाई में पुलिस टीम के नेतृत्व में 30नि. मो. रोशन, उपनिरीक्षक हरिओम सिंह, उपनिरीक्षक रजनीशंकात भारती, आरक्षी मो. दानिश और आरक्षी पंकज कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

वारंटी अभियुक्त दीपू लोधी गिरफ्तार, पुलिस ने अदालत में किया पेश

लखनऊ (आरएनएस)। अपराधियों पर लगाम कसने और वारंटी अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश और पुलिस उपायुक्त पूर्वी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई।पुलिस टीम ने 23 फरवरी को गैर-जमानती वारंट (ँ) के आधार पर दीपू लोधी पुत्र रघुनंदन उर्फ कालिया, निवासी बाघामऊ, थाना गोमतीनगर विस्तार को उसके घर से गिरफ्तार किया।दीपू लोधी के खिलाफ विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट-3 लखनऊ द्वारा वाद सं. 1745/19 के तहत वारंट जारी किया गया था। यह मामला वर्ष 2019 में थाना चिनहट में दर्ज मु.अ.सं. 384/2019, धारा 323 आईपीसी से संबंधित है।गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को कानूनी प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में 30नि. संदीप ठाकुर, उपनिरीक्षक मिथलेश सिंह और हेड कांस्टेबल मुअज्जम अली शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि अपराधियों की धरपकड़ का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मलिहाबाद में सड़क हादसा, स्कूटी और पिकअप की टक्कर में चार लोग घायल

लखनऊ (आरएनएस)। थाना मलिहाबाद क्षेत्र के वाजिदनगर चौराहे पर शनिवार दोपहर एक सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक पिकअप डाला (ळइ32ङ2973) और स्कूटी (ळइ32इळ6298) की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी पर सवार लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए।दुर्घटना में नंदकिशोर (28) पुत्र राम आसरे, निवासी हलवापुर थाना काकोरी, सरोज कुमारी (40) पत्नी पंकज, आशु (8) पुत्र पंकज और नैना (7) पुत्री पंकज, निवासी साले नगर थाना माल घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी माल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्राप्त शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संत गाडगे महाराज की जयंती पर आरपीआई ने किया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

लखनऊ (आरएनएस)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) द्वारा हजरतगंज स्थित कसमंडा कार्यालय में महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके शिक्षा और स्वच्छता संबंधी संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।प्रदेश प्रवक्ता पीसी चौधरी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता के निर्देशानुसार यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि संत गाडगे महाराज ने अपने जीवन को समाज सुधार और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया। वे मानते थे कि शिक्षा ही समाज की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है।प्रदेश महामंत्री आलोक कुमार ने संत गाडगे महाराज के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रवचनों के माध्यम से लोगों को शिक्षित होने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। वे गांव-गांव घूमकर शिक्षा का महत्व बताते और समाज को अंधविश्वास व रूढ़ियों से मुक्त करने का प्रयास करते थे।प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मंगलेश शुक्ला ने कहा कि गाडगे महाराज ने समाजसेवियों और दानदाताओं की मदद से कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। वे गरीब और वंचित वर्गों की शिक्षा पर विशेष जोर देते थे और समाज से सहयोग लेकर विद्यालयों का निर्माण कराते थे।महिला प्रकोष्ठ की कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष शानू मल्ल कौशल ने कहा कि संत गाडगे महाराज का मानना था कि स्वच्छता और शिक्षा साथ-साथ चलती हैं। उन्होंने गांवों में सफाई अभियान चलाकर समाज को जागरूक किया और लोगों को शिक्षा का महत्व समझाया। उनका कहना था कि शिक्षित व्यक्ति ही सही और गलत में अंतर कर सकता है।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मोनिका मिश्रा, प्रदेश महामंत्री इंद्रेश गौतम, प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ सुमन जायसवाल, प्रदेश सचिव राजेश कुमार, महामंत्री युवा प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर ओमकार, प्रदेश उपाध्यक्ष लाल बाबू यादव और महिला प्रकोष्ठ की सदस्य नारायणी श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

बगिया के लाल का कमाल

छत्तीसगढ़ में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। यह संभव हो सका है प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और सुशासन से। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उन्होंने संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग का ध्यान रखकर नीतियां बनायी। परिणाम सबके सामने है। साय सरकार के 14 महीने की अल्पावधि में ही चहुंओर सांय-सांय काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए। नतीजतन, हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। विधानसभा, लोकसभा के बाद अब नगरीय निकायों के चुनाव में भारी सफलता ने विष्णु देव के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। निश्चय ही ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से अब छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज होगी।दूरस्थ आदिवासी अंचल जशपुर के बगिया गांव में विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि बगिया का यह लाल, एक दिन छत्तीसगढ़ के मुखिया की महती जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्विवाद आदिवासी मुख्यमंत्री होने का इतिहास विष्णुदेव साय के नाम पर दर्ज है। उनके सहज, सरल व्यक्तित्व में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री होने का भाव साफ झलकता है। मृदुभाषी होने के साथ ही प्रशासनिक कसावट को लेकर उनकी छवि ने जन सामान्य का दिल जीत लिया है। वैसे तो पंच से लेकर सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री और मुख्यमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर उपलब्धियों भरा है। लेकिन, बीते 14 महीने में मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा बनाई गई जनहितैषी नीतियों से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है।

विष्णुदेव साय किसान पुत्र हैं। वे किसानों के दुख-दर्द को भलीभांति जानते और समझते हैं। अनन्दाता किसानों की चिंता करते हुए विष्णु देव साय ने सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों का दो साल का बकाया बोनस दिया। 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी सुनिश्चित की। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आयी है। किसान अब धान की खेती से धनवान बनने की ओर अग्रसर हैं। कोई भी नागरिक खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा, सबका खुद का आशियाना होगा, इसकी चिंता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 18 लाख से अधिक जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मुख्यमंत्री बनते ही दी। यह उनकी संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसी तरह माता-बहनों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना मील का पत्थर साबित हो रहा है। हर महीने करीब 70 लाख महिलाओं के खाते में सीधा एक हजार रूपये जमा होने से उनके जीवन स्तर में बहुत कुछ बदलाव आया है। माताएं-बहनें आत्मनिर्भर हो रहीं हैं।युवाओं का विश्वास सरकारी व्यवस्था पर से उठने लगा था। पूर्ववर्ती सरकार में पीएससी में हुए बड़े पैमाने पर घोटाले की वजह से युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। युवा, किसी भी देश-राज्य के भविष्य की रीढ़ हैं। पीएससी परीक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं आयोजित होने से युवाओं का भरोसा जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति को लोकव्यापी और सुगम बनाकर इन्वेस्टर को आकर्षित करने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं। विकासशील छत्तीसगढ़ में उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में साय सरकार की नई औद्योगिक नीति निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगी।धर्म-कर्म-अध्यात्म, सनातन की रीढ़ हैं। चाहे राजिम कुंभ कल्प को पुर्नप्रतिष्ठित करने की बात हो, या प्रयागराज महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन बनाकर श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने की बात अथवा श्रीराम लला अयोध्या धाम दर्शन योजना से प्रदेश के 20 हजार से अधिक नागरिकों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने की बात हो, विष्णु देव ने देवतुल्य जनता का बखूबी ख्याल रखा है। सुशासन से समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियां जन-जन के लिए कल्याणकारी और उपयोगी साबित हुई है।

जनहित की रक्षा के लिए गठित करनी होगी स्वतंत्र एजेंसी

कमलेश पांडे

भारत की संसदीय राजनीति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां राजनीतिक दलों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्राप्त बेहिसाब अधिकार के दुरूपयोग की जिस तरह की दुनियावी खबरें मिल रही हैं, उससे पक्ष-विपक्ष दोनों की सियासी भूमिका संदेह के घेरे में है। सुलगता सवाल है कि जब राजनीतिक दलों और उनके द्वारा ही राष्ट्रीयता विरोधी कार्रवाई की जाएगी, राष्ट्रवाद की अवधारणा को मुंह चिढ़ाते हुए जनविरोधी फैसले लिए जाएंगे और कानून बनाए जाएंगे तो फिर इसकी निष्पक्ष जांच कौन करेगा? चूंकि भारत में जिन दलित, आदिवासी और पिछड़े मतदाताओं का बहुमत है, उनकी कानूनी शिक्षा व राजनीतिक साक्षरता उस स्तर की नहीं है, जो किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए जरूरी है। इसलिए उन्हें आरक्षण, जातिवाद और साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दों पर सियासी समूहों द्वारा बरगलाया जाता है और जनविरोधी-राष्ट्रविरोधी कुकृत्य संपादित किये जाते हैं, इसलिए प्रबुद्ध सिविल सोसाइटी का जगना बदलते वक्त की मांग है, अन्यथा देश को पुनः गुलाम होने से कोई नहीं रोक सकता।

सच कहूं तो जैसे मुगल शासक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दांवपेंच को नहीं समझ पाए और अंग्रेजों के हाथों अपनी सत्ता गंवा दी, कुछ उसी तरह की भूल हमारी निर्वाचित सरकारें एक-दूसरे दल को दबाने के लिए कर रही हैं। कोई दल अमेरिका के हाथ में खेल रहा है, तो कोई दल चीन के हाथ में। कोई पार्टी अरब मुल्कों के प्रभाव में है तो कोई पार्टी यूरोपीय देशों के प्रभाव में। यह अनुचित है और इससे बचने का एक मात्र रास्ता है कि हमलोग आओ कानून-कानून खेलें वाली प्रवृत्ति से बचें। बेहतर तो यही होगा कि जैसे पूरे देश में एक समान मताधिकार कानून है, उसी तरह से हरेक मुद्दे पर एक समान कानून बने। इसमें जाति, भाषा, क्षेत्र, सम्प्रदाय, लिंग अथवा वर्ग मूलक आदि के नजरिए से कोई विभिनन्ता पैदा नहीं की जाए और इस मामले में ब्रितानी नीतियों का ट्रू कॉपी समझे जाने वाले हमारे संविधान में अपेक्षित संशोधन किए जाएं। अन्यथा तर्क पर कुतर्क भारी पड़ेगा। लोकतंत्र महज भीड़तंत्र बनकर रह जाएगा। इसे सभ्य तन्त्र में तब्दील करना दिवास्वप्न बन जायेगा।अमूमन, चुनावों में धनबल के बढ़ते प्रयोग और उस धन को एकत्रित करने के लिए राजनीतिक दलों व उनके प्रतिनिधियों द्वारा विभिनन्न स्तरों पर किए जाने वाले नीतिगत समझौते से ही भारत और भारतीयों दोनों का भविष्य प्रभावित होने लगे और मुट्ठी भर अभिजात्य लोगों की चांदी हो जाए तो फिर क्या किया जा सकता है। ये बातें मैं इसलिए छेड़ रहा हूँ कि इस बारे में सत्ता पक्ष और विपक्ष में, जो तू-तू, मैं-मैं होती रहती है, उससे अक्सर संशय पैदा होती है। चूंकि इस आत्मघाती सियासी प्रवृत्ति को रोकने में हमारी उच्च पदस्थ कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों विफल रही है, इनके विश्लेषण में मीडिया की भूमिका भी पक्षपाती और अभिजात्य वर्गीय हितों की संरक्षक प्रतीत हुई है, इसलिए इन तमाम मामलों की निष्पक्ष जांच और अपेक्षित समतामूलक कार्रवाई के लिए 'न्यायपालिका, कार्यपालिका, मीडिया और सिविल सोसाइटी के प्रबुद्ध, उच्च योग्यताधारी, समाजसेवा में अनुभवी और वैचारिक साख रखने वाले व्यक्तियों की एक जिम्मेदार स्वतंत्र एजेंसी' बनाये जाने और इनके प्राप्त निष्कर्षों पर जनमत सर्वेक्षण कराए जाने की जरूरत है, ताकि भारतीय संसद द्वारा बनाए गए राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और जनविरोधी कानूनों की समीक्षा समय-समय पर की जा सके।

ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि बहुमत के जुगाड़ में राजनीतिक दल जो कुछ भी फैसले लिए गए हैं या लिए जाते हैं, या लिए जाने वाले हैं उससे साफ दृष्टिगोचर हो रहा है कि ये कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना की तर्ज पर कार्य कर रहे हैं। लिहाजा, सभ्य समाज के निर्माण में इनकी भूमिका भी पक्षपाती प्रतीत होती आई है। वहीं, हमारी संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत से विभिनन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और स्वार्थपरक पेशेवर या सामाजिक-आर्थिक दबाव समूहों के हित में जो कानून बनाए गए हैं, उससे आम भारतीय यानी आम आदमी के दूरगामी हितों पर कुठाराघात पहुंचा है। इसलिए जनहित के विरोध में जो फैसले लिए गए है, तत्सम्बन्धी कानून बनाए गए हैं, उन्हें बदलवाने में भी उपर्युक्त एजेंसी की भूमिका को सार्थक बनाने की दरकार है। इन बातों को समझने-समझाने के लिए यहां पर एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा हूँ। मसलन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार 20 फरवरी को कहा है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भारत में किसी और को सत्ता में लाना चाहते थे। साथ ही उन्होंने एक बार फिर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर आवंटित करने के बाइडन प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाया। लिहाजा, इस मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस पुनः आमने-सामने आ गई हैं।दरअसल, ट्रंप ने गुरुवार को मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर सम्मेलन में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बाइडन प्रशासन भारत में किसी और को निर्वाचित करने की कोशिश कर रहा था। हमें भारत सरकार को बताना होगा। हैरतअंगेज है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अक्सर विदेश दौरे पर जाकर सार्वजनिक तौर पर भारत के लोकतंत्र में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप की मांग करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने फंडिंग की पुष्टि कर उनको मिल रही मदद पर मुहर लगा दी है। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने ट्रंफ को कोट करते हुए कहा कि 'हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर खर्च करने की क्या जरूरत है। उनका बयान एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा खुलासा करने के बाद आया है।' वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि 'यूएस एड से जुड़े ट्रूप के दावे बेतुके हैं। इस पर केंद्र श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें दशकों से यूएसएड की ओर से सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को दिए गए सहयोग का विस्तृत विवरण हो।'

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत और बांग्लादेश को करोड़ों डॉलर देने की क्या जरूरत है, जब एशिया अच्छा कर रहा है। ये सिर्फ कुछ फंडिंग हैं। सह सूची बहुत ही लंबी है। ऐसे में यह आवश्यक है कि भारत सरकार अमेरिका से पूरी सूची तलब करे और भारत के लोगों को पूरी जानकारी दे। इस पूरे मामले में शामिल लोगों की भूमिका की निष्पक्ष पड़ताल भी होनी चाहिए। इस बारे में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ठीक ही कहा है कि चुनाव आयोग को उन रिपोर्टों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए कि अमेरिका ने भारत के चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमरीकी डॉलर खर्च किए हैं।यदि आप इस मुद्दे पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि मामला बहुत गम्भीर है। इससे हमारे लोकतंत्र पर सवाल पैदा होता कि क्या उसका रिमोट कंट्रोल विकसित देशों के धनबल के पास है। शायद इसलिए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रची है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हवाला देते हुए प्रसाद ने कहा कि भारत में मतदान को प्रभावित करने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर आवंटित किए गए थे। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस का भारतीय चुनावों को प्रभावित करने के लिए विदेशी फंडिंग से संबंध है। भाजपा नेता ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि महात्मा गांधी की विरासत पर दावे करने वाली पार्टी द्वारा ऐसा किया जाना बेहद दुखद और शर्मनाक है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना करने के लिए ट्रंप की ताजा टिप्पणी और 2023 में ब्रिटेन में दिए गए राहुल गांधी के बयान के ऑडियो क्लिप चलाए।इससे बौखलाई कांग्रेस ने अमेरिकी संस्था यूएसएण्ड से जुड़े हालिया विवाद तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा है कि इस पर केंद्र सरकार श्वेत पत्र लाए। साथ ही कांग्रेस ने केंद्र से आग्रह किया कि इस संस्था द्वारा भारत के सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थानों को दिए गए सहयोग का विस्तृत ब्योरा देते हुए श्वेत पत्र जारी किया जाना चाहिए। वहीं, पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यूएसएड के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किए जा रहे दावे बेतुके हैं। फिर भी केंद्र को जल्द इस मामले में एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।अब जरा सोचिए कि यह कितनी गम्भीर बात है। यह तो महज एक बानगी है जिसके सबूत भारत सरकार ने नहीं बल्कि अमेरिकी सरकार ने दिए हैं। वहीं, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और भारत की कांग्रेस पार्टी के बीच सत्ता में रहते हुए हस्ताक्षरित एमओयू में शामिल विषयों के बारे में भी भाजपा अक्सर कांग्रेस से सवाल पूछती आई है। वहीं, अपने देश के कथित धर्मनिरपेक्ष दलों के अरब कनेक्शन, वामपंथी पार्टियों के रूसी-चीनी कनेक्शन, समाजवादी दलों के यूरोपीय कनेक्शन आदि पर समय समय पर सवाल उठते आए हैं।इससे साफ है कि भारतीय संसद द्वारा देश में लागू नई आर्थिक नीतियों के आलोक में और विदेशी पूंजी निवेश को आकर्षित करने के लिए जो कतिपय जनविरोधी कानून बनाए गए हैं, उसकी समीक्षा होनी चाहिए। ऐसा इसलिए कि इन कानूनों के लागू होने के बाद जहां पूंजीपतियों की मनमानी बढ़ी है, वहीं आम नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों की पेशेवर दुश्वारियां भी।जरा गौर कीजिए, किसानों-मजदूरों-कारीगरों से जुड़े पुराने व नए कानूनों पर, नौकरी-पेशा लोगों से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, विभिनन्न उद्यमों से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, राष्ट्रीय संसाधनों के उपयोग से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, सरकारी और निजी कम्पनियों से जुड़े पुराने व नए कानूनों पर, तफरका आपको स्पष्ट नजर आएगा। इसके अलावा, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, तकनीकी आयामों, जनसुविधाओं आदि से जुड़े विभिनन्न विषयों पर गौर कीजिए तो साफ महसूस होगा कि जहां इनकी कीमतें अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं, वहीं इनकी गुणवत्ता हीन सेवाओं, स्वार्थलोलुप षड्यंत्रों की जनहितैषी मोनिटरिंग करने वाला महज खाना पूर्ति कर रहा है। वहीं, इन मुद्दों पर न्यायपालिका, नौकरशाही और मीडिया की चुप्पी भी हैरतअंगेज है।

अमेरिका-रूस की अनबन तो इधर भारत-चीन की अनबन

एडवोकेट किशन भावनानीं

सदियों से रूस-अमेरिका की अनबन या तनातनी हम बचपन से देखते आ रहे हैं तो इधर चीन भारत में भी लंबे समय से तनातनी चल रही है, फिर अभी अचानक हम देख रहे हैं कि रूस-अमेरिका व भारत -चीन की दोस्ती परवाने चढ़ने की ओर आतुर है मेरा ऐसा मानना है कि चूँकि 14 मार्च 2025 को होली धुलीवंदन है, जिसमें हम वर्षों से लगातार हर सोशल इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में 22 मई 1981 को रिलीज हुई, हिंदी फीचर फिल्म लावारिस का गीत कब के बिछड़े हुए आज हम कहाँ आके मिले, व 1975 में रिलीज रिलीज हुई हिंदी पिक्चर फिल्म शोले का गीत हम सुनते हैं, होली के दिन दिल खिल जाते हैं दुश्मन भी गले मिल जाते हैं, अभी होली नजदीकी आ रही है, मुझे लगता है यह दोनों गीत उपरोक्त दोनों दोस्ती की और कदम बढ़ाने वाले भारत-चीन व अमेरिका-रूस में सटीक सिद्ध होनें जा रहा है, जो रेखांकित करने वाली बात है। ठीक उसी तरह भारत की मेजबानी में जी- 20 की थीम वासुधैव कुटुंम्बकम यानें पूरा विश्व एक परिवार है, यह भी सटीक होने की और अग्रसर है यह हम देख रहे हैं क्योंकि तनातनी के माहौल में रह रही चार महाशक्तियां आपस में संबंध मजबूत व गहरा संबंध बनाने की ओर आगे बढ़ रही है,इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दोस्ती का मौसम आया- इधर भारत चीन दोस्ती के फूल खिले उधर रूस अमेरिका बिछड़े यार मिले?

साथियों बात अगर हम भारत-चीन के मधुर संबंध बनने की ओर अग्रसर होनेकी करें तो,भारत के विदेश मंत्री और चीन के विदेश मंत्री ने दक्षिण अफ्रीका में अपनी बैठक के दौरान चीन-भारत संबंधों में प्रगति, सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने तथा कैलास मानसरोवर यात्रा की बहाली पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जोहानिसबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर दोनों मंत्रियों की मुलाकात हुई।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेसवार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में बताया कि दोनों के बीच यह बैठक करीब 30 मिनट तक चली। उन्होंने कहा, दोनों मंत्रियों ने नवंबर में अपनी पिछली बैठक के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, कैलास मानसरोवर यात्रा की बहाली, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा की सुगमता पर चर्चा की गई। भारत के विदेश मंत्री जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं। उन्होंने भू- राजनीतिक परिदृश्य की वर्तमान जटिलताओं को उजागर करते हुए कहा है कि विचारों में सामंजस्य स्थापित करने की जी-20 की क्षमता वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है।वैश्विक भू- राजनीतिक स्थिति पर चर्चा' शीर्षक वाले जी-20 सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जी-20 विश्व में बहुध्रुवीय स्थिति की एक महत्त्वपूर्ण अभिव्यक्ति है।उन्होंने कहा, वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति हर तरह से कठिन बनी हुईहै।कोविड वैश्विक महामारी, संघर्ष की स्थितियां, वित्तीय दबाव, खाद्य सुरक्षा और जलवायु संबंधी चिंताओं की चुनौतियां हैं।मुझे खुशी है कि हम आज जोहान्सबर्ग में ३-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान मिल पाए, इस तरह के मौकों ने हमारे संबंधों को तब भी बातचीत का मौका दिया है, जब हमारे संबंध कठिन दौर से गुजर रहे थे. दोनों देशों ने एक संस्था के रूप में जी-20 को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए कड़ी मेहनत की है. यह अपने आप में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्वको प्रमाणित करता है।उन्होंने कहा, हमारे एनएसए और विदेश सचिव ने चीन का दौरा किया है, हमारे संबंधों के विभिनन्न पहलुओं पर चर्चा हुईहै। इनमें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के प्रबंधन के साथ-साथ हमारे संबंधों के अन्य आयाम भी शामिल हैं। मुझे आज विचारों के आदान-प्रदान पर खुशी है।भारत और चीन जी -20, एससीओ और ब्रिक्स के सदस्य हैं। आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे भी हैं, जहां विचारों का आदान-प्रदान हमारे आपसी लाभ के लिए होगा।ये बैठक भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों और क्षेत्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए जारी कूटनीतिक कोशिशों के बीच हुई। भारतीय पीएम और और चीन के राष्ट्रपति के बीच गत वर्ष हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और चीन के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगे हैं। दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में चल रहे विदेश मंत्रियों के जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों में और करीबी महसूस की गई।चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद विदेश मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरों को शेयर किया है। हालांकि उन्होंने भी वार्ता के बिंदुओं का कोई खुलासा नहीं किया है। मगर सूत्रों के अनुसार भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर विवादित बिंदुओं के समाधान और दोनों देशों के बीच व्यापार के संबंध में बातचीत होने की बात कही जा रही है। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की यह मुलाकात दर्शाती है कि दोनों देशों के बीच जून 2020 से चल रहा तनाव अब काफी हद तक कम हुआ है। अमेरिका -रूस संबंध मजबूत होने की करें तो, बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप खुद को व्लादिमीर पुतिन का मित्र बताते रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि 3 वर्षों से चली आ रही रूस यूक्रेन युद्ध का सऊदी अरब की मध्यस्थता के साथ कोई रास्ता निकाला जा सकता है। सऊदी की अमेरिका और रूस दोनों ही देशों से करीबी है और अच्छे संबंध हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद से दोनों देशों के बीच पहली उच्च स्तरीय बातचीत सऊदी अरब में हुई।ये वो सप्ताह था जिसमें परंपरागत सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ा, यूरोप और यूक्रेन को अमेरिकी रुख़ की आलोचना करने पर मजबूर होना पड़ा, यूरोप की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ीं और रूस की स्थिति मज़बूत हुई। बिना किसी को किसी तरह की रियायत दिए या कोई क़ीमत अदा किए वो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बेहद मज़बूत स्थिति में पहुंच गया। पूरे विश्व में रूस अमेरिका के करीब आने की खबरें छा रही हैं।रूस अपनी जनता और दुनिया को दिखाना चाहता है

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ सनन के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पनन नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कमिन्यों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में सनन के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जशन्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जशन्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

सभी संसाधनों का संरक्षण है जो प्रकृति ने मानव जाति को भेंट की है।

विशाल विचार /सहसम्पादक कृष्ण सेठ

प्रकृति का संरक्षण मूल रूप से उन सभी संसाधनों का संरक्षण है जो प्रकृति ने मानव जाति को भेंट की है। इसमें खनिज, जल निकायों, भूमि, धूप और वातावरण आदि शामिल हैं तथा इसमें वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण भी शामिल हैं। प्रकृति द्वारा दिए ये सभी उपहार संतुलित वातावरण बनाने में मदद करते है तथा ये सब मनुष्य के अस्तित्व और पृथ्वी पर अन्य जीवों के अस्तित्व के लिए उपयुक्त है। इसलिए प्रकृति का संरक्षण अति महत्वपूर्ण है

प्राकृतिक संसाधनों को उनकी विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। यहां इस वर्गीकरण पर एक नजर डाली गई है, जिसमें से प्रत्येक को संरक्षित करने के सुनियोजित तरीके हैंः

प्राकृतिक संसाधनों का वर्गीकरण

प्राकृतिक संसाधनों को मुख्यतः नवीनीकृत करने, विकास का स्रोत और विकास के स्तर पर अपनी क्षमता के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इन्हें आगे उप श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनकी विस्तृत जानकारी इस प्रकार से हैः

कुछ संसाधन नवीकरणीय हैं जबकि अन्य गैर-नवीकरणीय हैं यहां इन दोनों श्रेणियों पर विस्तृत रूप से डाली गई हैः

नवीकरणीय संसाधनः ये संसाधन वह है जो स्वाभाविक रूप से पुनः उत्पन्न होते हैं। इनमें हवा, पानी, भूमि और सूर्य का प्रकाश शामिल हैं।

गैर-नवीकरणीय संसाधनः ये संसाधन या तो बहुत धीमी गति उत्पन्न होते हैं या स्वाभाविक रूप से नहीं बनते। खनिज और जीवाश्म ईंधन इस श्रेणी के कुछ उदाहरण हैं।

उनके मूल के आधार पर, प्राकृतिक संसाधनों को दो प्रकारों में बांटा गया हैः

अजैविकः ये वह संसाधन हैं जो गैर-जीवित चीजों और गैर-कार्बनिक पदार्थों से बनते हैं। इस प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों के कुछ उदाहरणों में पानी, वायु, भूमि और धातु जैसे लोहा, तांबे, सोना और चांदी शामिल हैं।

जैविकः ये वह संसाधन है जो जीवित प्राणियों, पौधों और जानवरों जैसे कार्बनिक पदार्थों से उत्पन्न होते हैं। इस श्रेणी में जीवाश्म ईंधन भी शामिल है क्योंकि वे क्षययुक्त कार्बनिक पदार्थ से प्राप्त होते हैं।

विकास के स्तर के आधार पर, प्राकृतिक संसाधनों को निम्नलिखित तरीके से वर्गीकृत किया गया हैः

वास्तविक संसाधनः इन संसाधनों का विकास प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और लागत पर निर्भर है। ये संसाधन वर्तमान समय में उपयोग लिए जाते हैं।

रिज़र्व संसाधनः वास्तविक संसाधन का वह भाग जिसे भविष्य में सफलतापूर्वक विकसित और उपयोग में लाया जाए उसे रिज़र्व संसाधन कहा जाता है।

संभावित संसाधनः ये ऐसे संसाधन हैं जो कुछ क्षेत्रों में मौजूद होते हैं लेकिन वास्तव में इस्तेमाल में लाने से पहले उनमें कुछ सुधार करने की आवश्यकता होती है।

स्टॉक संसाधनः ये वह संसाधन हैं जिन पर इस्तेमाल में लाने के लिए सर्वेक्षण तो किए गए हैं लेकिन प्रौद्योगिकी की कमी के कारण अभी तक उपयोग में नहीं लाए जा सके हैं।

प्रकृति के संरक्षण के विभिन्न तरीके

चाहे नवीकरणीय हो या गैर नवीकरणीय, जैविक हो या गैर-जैविक, प्रकृति के संसाधनों का संरक्षण होना चाहिए। यहां कुछ ऐसे तरीके दिए गए हैं जो सरकार और व्यक्तियों को प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियेः

प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग करना बंद कर देना चाहिए। उपलब्ध संसाधनों को अपव्यय के बिना समझदारी से उपयोग करने की जरुरत है।

वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जंगली जानवरों का शिकार करना बंद कर दिया जाना चाहिए।

किसानों को मिश्रित फसल की विधि, उर्वरक, कीटनाशक, कीटनाशक, और फसल रोटेशन के उपयोग को सिखाया जाना चाहिए। खाद, जैविक उर्वरक और बायोफलाइलाइजर्स के इस्तेमाल को प्रोत्साहितकरने की जरुरत है।

वनों की कटाई को नियंत्रित करना चाहिए।

वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए।

सौर, जल और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कृषि प्रक्रियाओं में इस्तेमाल होने वाले पानी को दोबारा उपयोग में लाने की प्रणाली का पालन करना चाहिए।

कार-पूलिंग जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने का एक अच्छा तरीका है।

कागज के उपयोग को सीमित करें और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करें।

पुराने लाइट बल्ब की जगह फ्लोरोसेंट बल्ब को इस्तेमाल करके ऊर्जा की बचत करें जिससे बिजली बचाई जा सके। इसके अलावा जब आवश्यकता नहीं हो रोशनी के उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक आइटम बंद करें।

निष्कर्ष

संतुलित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रकृति का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है हालांकि दुख की बात यह है कि बहुत से प्राकृतिक संसाधन तेज़ी से घट रहे हैं। उपर्युक्त विधियों का पालन करके प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान करना चाहिए।

ओडिसा के सीएम मांझी सहित कई वीआईपी हस्तियों ने पवित्र संगम में किया स्नान

कार्यालय संवाददाता

महाकुंभ नगर। त्रिवेणी तट पर श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं। रविवार को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम सनन आने के साथ ही यहां चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कुंभ के आयोजनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं... यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है।ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे।

उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र सनन के लिए आ रहे हैं।भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, 'यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं। यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने संगम सनन के बाद यहां की व्यवस्था की सराहना की। कहा कि आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं देखकर वह अभिभूत हैं।संबित पात्रा ने कहा कि यहां आना और पवित्र डुबकी लगाना सौभाग्य की बात है। मैंने पुरी से प्रयागराज की यात्रा की और यहां आकर महसूस हुआ कि जन्मों के पुण्य से ही महाकुंभ संगम सनन का अवसर मिलता है। महाकुंभ की व्यवस्थाएं अभूतपूर्व हैं, सड़कों की सुव्यवस्था से लेकर श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन के लिए अनाउंसमेंट तक, हर छोटी से छोटी चीज का ध्यान रखा जा रहा है।भक्ति संगीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, 'भारत श्रद्धा की भूमि है। लोग भारी बैग लेकर यहां आ रहे हैं, लेकिन उनके दिल श्रद्धा से भरे हुए हैं। खेर ने कहा कि इस तरह का आयोजन विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रतीक है।

प्रयागराज में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष 'पूजा' और 'आरती' का आयोजन किया गया। रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जा रहा है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई रविवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई और इसकी फोटो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम, महाकुंभ मेले का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला। उन्होंने महाकुंभ की व्यवस्थाओं की सराहना की। संगम में सनन के बाद अन्नामलाई ने अरैल स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम में पहुंचकर स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अन्नमलाई ने परमार्थ त्रिवेणी पुष्प प्रांगण में रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया, जो इस पवित्र भूमि पर आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति की प्रतीक के रूप में स्थापित होगा। यह भारत की हरित समृद्ध धार्मिक परंपराओं और पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती और डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती के साथ हुई इस मुलाकात में अन्नमलाई ने इस क्षेत्र की अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना और इस मुलाकात को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि इस पवित्र भूमि की यात्रा को अनमोल अनुभव के रूप में याद किया जाएगा। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाएं अत्यंत उत्कृष्ट और अद्वितीय हैं, जो लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक सुगम और सुरक्षित अनुभव प्रदान करती हैं।

स्वामी जी ने कहा कि प्रयागराज का संगम केवल एक भौतिक स्थल नहीं, बल्कि यह एक आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक है, जहां हर भक्त अपनी आस्था और विश्वास के साथ आकर अपने पापों से मुक्त होने की प्रार्थना करता है। साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि महाकुंभ के माध्यम से हम सब एकजुट होकर देश और दुनिया में शांति, समृद्धि और एकता की भावना को प्रसारित करने में सफल होंगे।तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के. अन्नमलाई ने कहा कि प्रयागराज एक अद्वितीय स्थल है, जो भारत की सभ्यता की शाश्वत आत्मा का प्रतीक है, जो हजारों वर्षों से समृद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु इस पवित्र भूमि पर यमुना, गंगा और सरस्वती नदियों से दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आए हैं।

विराट किसान मेला : कृषि यंत्रीकरण और श्रीअन्न की महत्ता पर विशेष चर्चा

कार्यालय संवाददाता

महाकुंभ नगर। महाकुंभ नगर के सेक्टर-9 स्थित कलश द्वार के समीप आयोजित पांच दिवसीय विराट किसान मेला-2025 के द्वितीय दिवस पर कृषि सूचनातंत्र सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 750 से अधिक कृषकों ने भाग लिया, साथ ही कृषि विभाग के विभिनन् अनुभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा अतिथियों के अभिनंदन से हुआ। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फार्म मशीनरी बैंक, सोलर पंप, नमामि गंगे परियोजना एवं अनुदान पर बीज वितरण से संबंधित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

स्थानीय संस्कृति को प्रोत्साहित करते हुए लोकगायक कंचन लाल यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकगीतों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया और उनका मनोरंजन भी किया। तकनीकी सत्र में केवीके नैनी प्रयागराज के वैज्ञानिक इं. जी.पी.एम. सिंह ने कृषि यंत्रीकरण के महत्व को समझाते हुए बताया कि आधुनिक खेती में ट्रैक्टर, सीडड्रिल एवं हार्वेस्टर जैसी मशीनों का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान बड़े कृषि उपकरणों को एफपीओ एवं कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, सटीक मशीन चयन से रोजगार सृजन और अतिरिक्त आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यंत्रीकरण से कृषि उत्पादन में 34इ तक वृद्धि संभव है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मनीष केसरवानी (शुआट्स, नैनी) ने श्रीअनन(ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो आदि) की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये न केवल पोषण से भरपूर हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को सहन करने में भी सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में मिलेट्स को पोषण अनाज घोषित किया था और भारत के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया। इससे वैश्विक स्तर पर श्रीअनन के प्रति जागरूकता बढ़ी और इसके व्यंजन लोकप्रिय हुए।कृषि विज्ञान केंद्र जौनपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र सोनकर ने मृदा प्रबंधन और फसल चक्र पर जोर देते हुए बताया कि जैविक तत्वों की वृद्धि से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और उत्पादन में सुधार होता है।डॉ. रूपेश सिंह (केवीके जौनपुर) ने मशरूम की खेती पर तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बटन मशरूम और ओएस्टर मशरूम उत्पादन की विधियों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को इससे अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।अंत में भूमि संरक्षण अधिकारी, फूलपुर प्रयागराज ने उप कृषि निदेशक, प्रयागराज की अनुमति से सभी अतिथियों, अधिकारियों और मीडिया सेल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

प्रयागराज की सीनियर महिला वॉलीबाल टीम चयनित

प्रयागराज। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय अयोध्या द्वारा आयोजित ओपेन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 26 फरवरी 2025 तक अयोध्या जनपद में किया गया है। जिसमें प्रयागराज जनपद की सीनियर महिला वॉलीबाल टीम प्रतिभाग करेंगी। प्रयागराज जनपद की टीम का चयन शुक्रवार को मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के ग्राउंड पर किया गया। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला के अनुसार चयनित टीम के खिलाड़ी इस प्रकार से है- श्रेया त्रिपाठी (कप्तान), ख़ुशी, पायल यादव, साधना, समीक्षा सिंह, पूजा, इच्छा, रितु, तेजस्वनी शुक्ला, दिव्या, कविता पटेल व मीनू है।

महाकुंभ के चलते परिचालन के कारण कई गाड़िया निरस्त

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुम्भ-2025 के दौरान परिचालनिक कारणों से निमन् गाड़ियों का निरस्तीकरण करने का निणन्य लिया गया है जिसका विवरण निम्?नवत है-गाड़ियों का निरस्तीकरण-12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज ट. लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 25.02.25 को निरस्त रहेगी। 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज ट.-गोरखपुर लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि को निरस्त रहेगी। 15004 गोरखपुर-कानपुर अनवरगंज लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 24.2.25 एवं 27.02.25 को निरस्त रहेगी।15003 कानपुर अनवरगंज-गोरखपुर लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 25.2.25 एवं 28.2.25 को निरस्त रहेगी। 22583 छपरा-लोकमान्य. तिलक ट. लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 25.2.25 को निरस्त रहेगी।22584 लोकमान्य तिलक ट.-छपरा लोकमान्य तिलक ट. प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि 27.2.25 को निरस्त रहेगी।

महाकुंभ के सांस्कृतिक मंचों पर बही सुरों की बयार

'यह प्रयागराज है' गीत से प्रियांशु और आशीष ने दर्शकों का मन मोहा

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में जहां आस्था धर्म और आध्यात्मिक की पवित्र डुबकी लगाने विश्व भर से श्रद्धालु आ रहे हैं वही हिंदुस्तान के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के मंच के माध्यम से इस पावन धरा को संगीतमय बना दिया है जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय गायक शंकर महादेवन ,हरिहरन डॉ कुमार विश्वास जैसे कलाकारों ने प्रयाग के पावन गंगा जमुना सरस्वती जैसे मंचों पर आकर अपनी शिरकत की वहीं बीती शाम यमुना मंच पर कैलाश खेर जैसे अंतरराष्ट्रीय गायक और सरस्वती मंच पर प्रयागराज की धरती से देश भर में अपनी पहचान बनाने वाले प्रियांशु श्रीवास्तव एवं आशीष शर्मा युगल गायको की जोड़ी ने विश्व भर से आए श्रद्धालुओं के मध्य अपनी प्रस्तुतियों से सुरों से संगीत के इस पवित्र संगम में डुबकी लगाई यमुना पंडाल पर कैलाश खेर को सुनने के लिए काफी अधिक संख्या में श्रद्धालु और दर्शकों की भीड़ देखने को मिली। वहीं सरस्वती मंच पर प्रियांशु और आशीष ने 'ये प्रयागराज है' गीत की प्रस्तुति कर पूरे पंडाल को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में राम जी की निकली सवारी से प्रारंभ कर दमा दम मस्त कलंदर और यह प्रयागराज है की पब्लिक डिमांड पर तीन बार प्रस्तुति से दर्शक लगातार झूमते रहे। भारतेंदु नाट्य संस्थान द्वारा सरस्वती मंच पर कार्यक्रम प्रभारी के रूप में कार्यभार देख रहे वरिष्ठ अधिकारी हीरा जी एवं सत्यम जी द्वारा कार्यक्रम के अंत में उत्तर प्रदेश सा संस्कृति विभाग के प्रतीक चिन्ह अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र द्वारा कलाकारों का सम्मान भी किया गया।

संत गाडगे जी की जयंती मनाई गई

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। अंबेडकर महासभा के जिला अध्यक्ष अनन्त कुमार चौधरी ने कहा है कि स्वच्छता के जनक संत गाडगे महाराजा को भारत रतन देने की मांग उठाई हैं सामाजिक संगठनों ने जयंती 149 वें जयंती के पहले सामाजिक संगठनों ने भारत रतन राष्ट्रीय छुट्टी देने की मांग उठाई है उपरोक्त अवसर पर गांधी अकादमी संस्थान के निदेशक श्री ओम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि अशिक्षित एवं धन अभाव होने के बावजूद कमन्योगी राष्ट्रसंत गाडगे बाबा महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया।

यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनावाया किंतु अपने सारे जीवन में अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी। बाबा अनपढ़ थे, किंतु बड़े बुद्धिवादी थे। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी इस महान पुरुष से समय समय पर ज्ञान व राय लेने जाते थे। अंधविश्वासों, बाह्य आडंबरों, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों एवं दुर्व्यसनों से समाज को कितनी भयंकर हानि हो सकती है, इसका उन्हें भलीभांति अनुभव हुआ। इसी कारण इनका उन्होंने घोर विरोध किया। और अशिक्षित रहने के बावजूद भी शिक्षा तथा स्वच्छता पर विशेष जोर दिया। संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय था- लोक सेवा। दीन-दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते थे। धार्मिक आडंबरों का उन्होंने प्रखर विरोध किया। भूखों को भोजन, प्यासे को पानी, नंगे को वस्त्र, अनपढ़ को शिक्षा, बेकार को काम, निराश को ढाढस और मूक जीवों को अभय प्रदान करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। ऐसे महान संत को कोटि-कोटि प्रणाम।उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन अनंत कुमार चौधरी मामा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक श्री नारायण यादव , रविशंकर मिश्र कर्मचारी नेता, मनोज कुमार चौधरी ,घनश्याम मास्टर, अनुराधा, उच्च न्यायालय अधिवक्ता राकेश बनोधा, प्रेमलता शुक्ला दीदी, रवि कुमार लेखक ,मधु यादव,आदि के साथ अनेक सामाजिक संगठनों के साथी उपस्थित रहे।

लालगोपालगंज में चौकी प्रभारी विपिन कुमार पाल की नई कार्यशैली से ग्रामीणों में खुशी की लहर

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। लाल गोपालगंज चौकी प्रभारी विपिन कुमार पाल की नई कार्यशैली ने ग्रामीणों को खुशी से भर दिया है। उनकी कार्यशैली से ग्रामीणों में इतनी खुशी है कि चौकी पर भारी भीड़ जमा हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विपिन कुमार पाल की कार्यशैली से उन्हें उम्मीदें जगी हैं कि अब उनकी समस्याओं का समाधान होगा। वे कहते हैं कि विपिन कुमार पाल ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही साफ कर दिया है कि वे ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए हमेशा तैयार हैं।विपिन कुमार पाल ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि वे ग्रामीणों की फरियाद सुनने और उनकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

उन्होंने गौ तस्करी और सफेद पाउडर के अवैध कारोबार पर भी कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति गौ तस्करी या सफेद पाउडर का अवैध कारोबार करता है, तो वह उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि वे ऐसे लोगों को बाहर नहीं छोड़ सकते हैं और उनकी जगह जेल में होगी।ग्रामीणों ने विपिन कुमार पाल की कार्यशैली की सराहना की है और उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। वे कहते हैं कि विपिन कुमार पाल की कार्यशैली से उन्हें उम्मीदें जगी हैं कि अब उनकी समस्याओं का समाधान होगा।

आंगनबाड़ी भर्ती में भ्रष्टाचार

यूपी की मंत्री ने खुद खोली पोल, निदेशक को पत्र लिखकर की भर्ती रद्द करने की मांग

लखनऊ। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में हो रहे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भतिर्यों में भ्रष्टाचार को लेकर अब विभाग की मंत्री ने ही मोर्चा खोल दिया है। यही नहीं, मंत्री ने इस संबंध में निदेशक आईसीडीएस को पत्र लिखकर भतिर्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने की शिकायत की है। साथ ही मंत्री ने जिले स्तर पर हो रही भर्ती को रद्द करके इसे प्रदेश स्तर से कराने की मांग भी किया है। दरअसल प्रदेश के सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के 52 हजार से अधिक पद खाली हैं। इसपर पिछले साल से ही भर्ती की प्रक्रिया शुरु की गई है। लेकिन तमाम जिलों में भर्ती में अनियमितता की शिकायतों और हाईकोर्ट में याचिका की वजह से भर्ती की प्रक्रिया अब तक पूरा नहीं हो पाई है। लिहाजा अभी भी जिलों में भर्ती की काम चल रहा है। इसके लिए शासन ने जिला स्तर पर जिला कार्यक्रम अधिकारियों (डीपीओ) को जिम्मेदारी दे रखी है। हालांकि इसके लिए गठित कमेटी का अध्यक्ष संबंधित जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) को नामित किया गया है, लेकिन डीपीओ की बड़ी भूमिका है।खास बात यह है कि जब से यह भर्ती शुरू हुई तभी से विवादों में घिरी है। इस वजह से कई बार मानकों में बदलाव भी किए गए हैं। इसके बावजूद भर्ती में सेटिंग-गेटिंग का खेल अक्सर सामने आ रहा है। जिला स्तर के अधिकारियों पर मानकों के विपरीत पसंद और नापसंद के आधार पर चयन करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

ऐसी तमाम शिकायतें शासन और आईसीडीएस निदेशालय भी पहुंच रही हैं, लेकिन निदेशालय स्तर पर भी उसे दबा दिया जा रहा है।ताजा मामला महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला का निदेशक आईसीडीएस को लिखे गए उस से पत्र से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने डीपीओ और उनके कार्याल के कर्मचारियों पर भर्ती में अनियमितता बरतने का खुला आरोप लगाया है। मंत्री ने अपने पत्र में अपने दौरे का हवाला देते हुए लिखा है कि वह जिस भी जिले में दौरे पर जा रही है, वहां भर्ती में भ्रष्टाचार की ढेर शिकायतें मिल रही हैं। आवेदन लेने से लेकर उसकी छंटनी तक का काम डीपीओ की देखरेख में हो रहा है।मंत्री ने लिखा है कि इस प्रक्रिया गोपनीयता का पालन तक नहीं किया जा रहा है। मंत्री ने यह भी आरोप लगाया है कि डीपीओ दफ्तर के बाबू आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों से सीधे संपर्क करके उनसे पैसे की मांग कर रहे हैं।

दो-दो लाख रुपये की मांग की जा रही है। 21 फरवरी को लिखे गए इस पत्र के माध्यम से मंत्री मौजूदा भर्ती प्रक्रिया को रद्द करते हुए जिला के बजाए प्रदेश स्तर से भर्ती कराने की मांग की है।गौर करने की बात यह है कि शुरूआती दौर से भर्ती में अनियमितता की शिकायतें निदेशालय से लेकर शासन तक पहुंची। कई जिलों के डीएम तक ने शासन को भर्ती के मानको में भ्रामक बिंदुओं के शामिल किए जाने को पत्र लिखा था, लेकिन शासन और निदेशालय ने ऐसी सारी शिकायतों को दाखिल दफ्तर कर रखा है।

महाशिवरात्रि,होली-रमजान को लेकर पीजीआई थाने में पीस कमेटी की बैठक

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी के पीजीआई थाने में रविवार को पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य महाशिवरात्रि, होली और रमजान के त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाना था। पीजीआई थाने के इंस्पेक्टर रवि शंकर त्रिपाठी ने होली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होली भाईचारे का त्योहार है। उन्होंने लोगों से रंग-गुलाल खेलते समय शांति बनाए रखने की अपील की। इंस्पेक्टर ने होलिका दहन को लेकर भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में होलिका दहन के लिए स्थान चिह्नित हैं, वहीं पर यह आयोजन किया जाए। पुलिस प्रशासन किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्क है। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें मनोज रावत, सुनील रावत, कल्ली बाजार उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज यादव और कोषाध्यक्ष दीपेंद्र कुमार गुप्ता,उतरतिया व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित सक्सेना, ताराचंद यादव और क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

सरकारी जमीन से 10 पेड़ों की चोरी

लखनऊ (यूएनएस)। इटौंजा थाना क्षेत्र के मलूकपुर गांव में सरकारी जमीन से पेड़ों की चोरी का मामला सामने आया है। नाले के किनारे स्थित गाटा संख्या 36/0.75 पर लगे सरकारी पेड़ों को कुछ ग्रामीणों ने काटकर बेच दिया। आरोपी पप्पू और अजय (दोनों दुलारे के पुत्र) तथा विक्रम (अनिरुद्ध का पुत्र) ने नाले के दोनों किनारों से 9 चिलवल और एक नीम का पेड़ काट दिया। ये सभी पेड़ 60 से 70 वर्ष पुराने थे। रविवार को इस घटना की जानकारी मिलने पर मलूकपुर के लेखपाल और भूमि प्रबंधक समिति के सचिव सरोज कुमार कुशवाहा ने इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई। लेखपाल ने बताया कि इन पेड़ों को काटने से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महाशिवरात्रि पर मनकामेश्वर मंदिर में निकली भव्य बधावा यात्रा

लखनऊ (यूएनएस)। मनकामेश्वर मंदिर, डालीगंज में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ के विवाह उत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को महिलाओं द्वारा बधावा यात्रा निकाली गई। इस दिव्य आयोजन की अगुवाई महंत देव्यागिरी महाराज ने की। महिला भक्तों ने भगवान शिव के विवाह के लिए वस्त्र, मिठाई, फल और श्रृंगार सामग्री एक ठेले पर सजाकर यात्रा निकाली। ठेले पर गोरख शिव रूप में एक बालक डमरू बजाते हुए विराजमान था। इसने यात्रा में विशेष आकर्षण बढ़ाया। श्रद्धालु महिलाएं मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में बधावा गाते हुए भ्रमण कर पुनः मंदिर में लौट आईं। यात्रा के बाद मंदिर में भजन-कीर्तन एवं नृत्य का आयोजन हुआ। इसमें भक्तों ने बधावा भजन गाए और शिव विवाह की खुशियां मनाईं। महंत देव्यागिरी जी महाराज ने यात्रा की अगवानी, आरती एवं पूजा कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। इस पावन अवसर पर मोनी, किरण, सुनीता, ज्योति, एवं मंदिर की प्रमुख कार्यकर्ता उपमा पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बजे ढोल,फैंस बोले जीतेगी टीम इंडिया

लखनऊ (यूएनएस)। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत- पाकिस्तान के क्रिकेट मुकाबले को लेकर फैंस का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस दौरान फैंस भारतीय टीम को चीयर कर रहे हैं। लखनऊ के राजाजीपुरम मिनी स्टेडियम में क्रिकेट प्रेमी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरान ढोल नगाड़े के साथ टीम इंडिया नौनिहाल क्रिकेटर चीयर कर रहे। दुबई में मैच भले ही हो रहा है लेकिन इंडिया की टीम ही जीतेगी। पाकिस्तान की टीम अच्छी है, लेकिन उनका फिटनेस और कॉन्फिडेंस उनके साथ में नहीं है। क्रिकेटर राहुल का कहना है कि मोहम्मद शमी और हर्षित राणा के रहने से जसप्रीत बुमराह की कमी नहीं खलेगी। वहीं, कोच ब्रजेश सिंह ने कहा कि बहुत दिन बाद भारत पाकिस्तान के बीच में मैच हो रहा है। दोनों टीम अच्छी है, लेकिन भारत जीतेगा। शहर में फैंस तिरंगा और पोस्टर लेकर टीम इंडिया की जीत के लिए प्रार्थना कर रहे। इस दौरान फैंस पोस्टर लेकर निकले कि न प्यार में न इश्क में मजा है पाकिस्तान की हार में। इस दौरान फैंस ने कहा कि आएगा कप तो भारत में ही आएगा। मौके पर फैंस ने तिरंगा झंडा भी लहराया है।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की उचित भागीदारी न मिलने पर राजनीतिक दल बनाने की चेतावनी

लखनऊ (यूएनएस)। सत्ता में उचित भागीदारी न मिलने पर भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने राजनीतिक दल बनाने का ऐलान किया है। लखनऊ में आयोजित प्रांतीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रदेशभर से आए प्रतिनिधियों ने समाज की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद और संगठन के संस्थापक अध्यक्ष राम नारायण साहू ने कहा कि यदि समाज को राजनीति में उचित भागीदारी नहीं मिलती है तो मजबूरन तेली समाज को अपना राजनीतिक दल बनाना पड़ेगा। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए एकजुट होने और संगठित रूप से आगे बढ़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर ने कार्यक्रम को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विश्राम सागर राठौर (सीतापुर) ने की। जबकि संचालन रमाशंकर साहू (सदस्य, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, उत्तर प्रदेश) ने किया।

फ्लावर शो ने बिखेरी प्राकृतिक छटा

कार्यालय संवाददाता

गोरखपुर। रोटरी क्लब गोरखपुर एवं उत्तर प्रदेश उद्यान विभाग द्वारा आयोजित ऐतिहासिक फ्लावर शो का रविवार को समापन हुआ। यह आयोजन शहरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा, जिसमें प्रकृति प्रेमियों, बागवानी विशेषज्ञों और सैकड़ों संस्थाओं ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी गोरखपुर की पतनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, सीईओ गीडा अनुज मलिक और जिला उद्यान अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ चिकित्सिक डॉ. रचना बनर्जी, डॉ. नीलम दीक्षित, तलत अज़ीज़, पूर्व अध्यक्ष डॉ. शिवशरण दास, पुष्पदंत जैन, मंकेश्वर नाथ पांडेय , आनंद गनेरीवाल, अनूप अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, उपाध्यक्ष सतीश राय, अचिंत्य लहरी, अमित बथवाल, आलोक अग्रवाल, मांधाता सिंह, मनीष जायसवाल, वीके श्रीवास्तव आदि भी इस ऐतिहासिक

आयोजन में शामिल रहे। यह भव्य आयोजन राजकीय उद्यान में संपनन्हुआ, जहां दुर्लभ एवं विदेशी फूलों की शानदार प्रदर्शनी लगाई गई। विभिनन् प्रतियोगिताओं में गोरखपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में वर्टिकल गार्डन, टेरेस गार्डन, फूलों की सजावट, गुलदस्ता निर्माण और बोनसाई प्रदर्शन प्रमुख आकर्षण रहे। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।रोटरी क्लब गोरखपुर के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कंडोई ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और नागरिकों को हरियाली से जोड़ना है। क्लब के सचिव संचित श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से शहर की सुंदरता में वृद्धि होती है और लोग प्रकृति के प्रति अधिक जागरूक होते हैं। कार्यक्रम समन्वयक अचिंत्य लहरी ने इस आयोजन को सफल बनाने में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने अपने संबोधन में कहा, गोरखपुर का यह फ्लावर शो पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। सीईओ गीडा अनुज मलिक ने कहा कि इस तरह के आयोजन शहर को हरा-भरा बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस तरह की हरित गतिविधियों में भाग लें और पर्यावरण को संरक्षित करने में सहयोग दें।वरिष्ठ चिकित्सिक डॉ. रचना बनर्जी ने कहा, 'हरियाली और फूलों के संपर्क में रहना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों को प्रकृति के करीब लाने का बेहतरीन माध्यम हैं।' इस अवसर पर आशीष जोशी, महेश गोपाल गर्ग, अशोक कुमार गुप्ता, हरे कृष्ण सिंह, शालिनी दास, अरुण गुप्ता, अखिलेश ओझा, श्रेयांश पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें। आयोजकों ने पुष्प प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ताओं और शहरवासियों से आग्रह किया कि वे इस तरह के आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और गोरखपुर को हरा-भरा बनाने में सहयोग करें। फ्लावर शो की अभूतपूर्व सफलता से प्रेरित होकर रोटरी क्लब ने भविष्य में और भी भव्य आयोजन करने का संकल्प लिया है।

एनएसपीएस त्रिपुला में आयोजित की गयी सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में सत्र 2025-26 के लिए आयोजित

प्रवेश परीक्षा में विद्याथिर्यों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। विद्यालय में सर्वप्रथम प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों के साथ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की साथ ही विद्याथिर्यों ने भी विद्या की देवी माता सरस्वती को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। परीक्षा के दौरान उप-प्रधानाचार्य फैज़ान खान ने अभिभावकों को विद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुए छात्रों को दी जानें वाली सुविधाओं का अवलोकन कराया।इस अवसर पर संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, रामदेव, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षक/शिक्षिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मंदिर रायबरेली में बच्चों के लिए प्रथम प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य श्री तारकेश्वर सिंह एवं हेड-मिस्टेस संध्या अग्रवाल सहित सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं एवं प्रवेश परीक्षा में अपने बच्चों को लेकर आने वाले अभिभावकों ने माँ वीणावादिनी का पूजन-पुष्पांजलि अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय के मुख्य द्वार के पास भगवान शिव जी की आकर्षक झाँकी एवं माता सरस्वती का सजाया गया भव्य दरबार आए हुए अभिभावकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय परिसर में लगे झूले एवं खेलने के लिए दूसरे साधनों का परीक्षा देने आए बच्चों ने जमकर मजा लिया। विद्यालय की तरफ से परीक्षा देने आए बच्चे टॉफी, पेन -डायरी पाकर बहुत खुश दिखाई दिए। इस परीक्षा में अपने-अपने पाल्यों को प्रवेश दिलाने के लिए बड़ी संख्या में आए अभिभावकों का प्रधानाचार्य जी ने अभिनंदन करते हुए उनके बैठने और जलपान की यथोचित व्यवस्था कराई। परीक्षा समाप्त होने पर प्रधानाचार्य जी ने आए हुए सभी अभिभावकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके पाल्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्व समाज में स्वच्छता और शिक्षा के प्रचारक थे संत गाडगे-अरविन्द चौधरी

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। डीएम0 आवास स्थित संत गाडगे बाबा की प्रतिमा पर संत गाडगे अम्बेडकर क्रांति भारत के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अरविन्द कुमार चौधरी के आयोजन में बाबा संत गाडगे की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर उन्हें याद किया और कहा कि बाबा का जन्म 23 फरवरी 1876 को हुआ था व उनका पूरा नाम देबू जी झिंगराजी जनोरकर था वे महाराष्ट्र के प्रसिद्ध समाज सुधारक और संत थे प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संत गाडगे बाबा स्वच्छता, शिक्षा, और समानता को बढ़ावा देने के लिए काम किया उन्होनें अन्ध विश्वास और अस्प्रश्यता जैसी सामाजिक बुराइ्यों के खिलाफ काम किया।

उन्होनें अपना घर छोड़ कर एक लकड़ी और मिट्टी का बर्तन लेकर आधी रात को घर से निकल गये थे और उन्होनें अपना जीवन समाज के उद्धार में लगाया 20 दिसम्बर 1956 को तबियत खराब होने की वजह से उनका निधन हो गया इस अवसर पर सपा नेता रंजीत यादव ने कहा कि बाबा संत गाडगे आजीवन भर अपने प्रयासों से समाज की सेवा करते रहे और शिक्षा से जुड़ने और अंधविश्वास, पाखण्डवाद से दूर रहने की शिक्षा देते थे। एडवोकेट प्रदेश सचिव विश्वास द्विवेदी ने कहा कि बाबा संत गाडगे के नाम से महाराष्ट्र सरकार एक ग्राम स्वच्छता कार्यक्रम चलाती है और कहा कि बाबा संत गाडगे परिसर में भी सरकार को चाहिए कि सफाई, सुंदरीकरण की आवश्यकता है। इस अवसर पर अमित सिंह, आशीष सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, इन्द्र बहादुर मौर्या, हंसराज यादव, राज निर्मल, राजेन्द्र कुमार चौरसिया आदि लोग उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। मंझनपुर के समदा में पेट्रोलपंप के सामने सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ रविवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हुई ।

श्री शिव महापुराण कथा के आयोजक मंझनपुर के कादीपुर निवासी अनिल कुमार त्रिपाठी उर्फ भोला ने बताया कि सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन समदा में रविवार से शुरू होकर दो मार्च को हवन पूजन के साथ संपनन्होगा , 28 फरवरी को शिव बारात , एक मार्च को स्थापना एवं तीन मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा ।चित्रकूट धाम के राजापुर निवासी कथा वक्ता दीपक मणि मिश्र द्वारा कथा का आयोजन किया जाएगा । रविवार को कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ । रुद्र महायज्ञ के लिए गाजे-बाजे के साथ आकर्षक झांकी से सुसज्जित शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में राजाराम केसरवानी , आशा देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

मृतक किशोरी के परिजन न्याय की आस में दफ्तरों के लगा रहे चक्कर

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। कोखराज थाना के जलालपुर टेंगाई के रहने वाले रविन्द्र नाथ पुत्र स्व विशुनाथ ने कोखराज पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सराय अकिल थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला युवक उसकी नाबालिक भतीजी को अपने प्रेमजाल में फंसा कर शादी का आश्वासन देकर फर्जी तरीके से मांग में सिंदूर भरकर दुराचार करने लगा और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया कर धमकाते हुए लगातार दुराचार करने लगा , इस बात की खबर पीडि.ता के घरवालों को मिली तो किशोरी के परिजन युवक के बड़े भाई से मुलाकात कर शादी का प्रस्ताव रखा , युवक के भाई के रजामंदी के बाद युवक जबरन किशोरी के साथ लगातार दुराचार करता रहा , किशोरी ने आप बीती घरवालों को बताई तो युवक का भाई किशोरी के बालिग होने तक इंतजार करने एवं मकान बनावाने की मांग करने लगा , किशोरी के परिजनों द्वारा मांग न पूरी होने पर शादी से इंकार करते हुए धमकी देने लगे । किशोरी के ताऊ का आरोप है कि जिसके बाद किशोरी गुमसुम रहने लगी और लोक लाज के चलते दो फरवरी को फांसी के फंदे से झूल गई । जिसके बाद किशोरी के परिजन न्याय के लिए पुलिस दफ्तर के चक्कर लगा रहे है । लेकिन अभी तक आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।

मदरसा इस्ल्लाहुल मुस्लेमीन में दस्तार बंदी फ़ैजाने आला कांफ्रेंस का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। विकास खंड कड़ा के अलीपुर जीता में स्थित मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन में रविवार को दस्तार बंदी फ़ैजाने आला हजरत कांफ्रेंस का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मदरसा के 5 बच्चों को हाफिज की उपाधि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर फैजाबाद से आए मौलाना वाजिद अली फैजी ने कहा कि इस्लाम धर्म शांति का रास्ता बताता है। देश में सभी लोग आपसी प्रेम, शांति व भाईचारे के साथ रहें। उन्होंने इल्म की रोशनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इल्म मां की गोद से लेकर कब्र के आगोश तक सीखाने के काम आता है । कार्यक्रम में मो मोजम्मिल , गुलरजा , फरीद अहमद , इजहार अहमद , मो इजहार ने हिज मोकम्मल किया और उनके दस्तार बंदी के मौके पर उन्हें दस्तार के एजाज से नवाजा गया । इस मौके पर मौलाना फरहाद अहमद , कारी इस्तेयाक , हाफिज शमशाद , मो मोहसिन , हसन मुज्तबा , मौलाना शम्स तबरेज , ताहा हाशमी , खुर्रम , रहबर खां सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

किन्नरों ने किन्नर पर लगाया धमकी का आरोप

कौशाम्बी। किनन्रों के एक समूह ने रविवार को सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर दूसरे किनन्रों पर धमकी का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है ।कड़ा धाम थाना के भानीपुर की रहने वाली किनन्र छाया मिश्रा ने रविवार को सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह बारात से वापस लौट रही थी तभी दूसरे किनन्र ने उसको जान से मारने की धमकी देते हुए उसके पैसे छीन लिए । किनन्र ने साथी किनन्र पर कार्यवाही की मांग की है ।

रिश्तेदार पर लगाया बेटी के साथ छेड़छाड़ का आरोप

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के एक गांव की रहने वाली एक पीडि.ता ने बहू के भाई पर बेटी के साथ अश्लील हरकत व छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए सैनी पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है ।सैनी कोतवाली के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने रविवार को सैनी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र अपनी पतनी के साथ अलग रहता है , पीडि.ता ने बताया कि उसकी बहू का भाई अक्सर घर आता है, पीडि.ता का आरोप है कि तीन दिन पहले बहू का भाई मुंबई से घर आया था इस दौरान वह परिवार के साथ खेत में थी , घर बेटी अकेली थी , बेटी को अकेला देख बहू का भाई बुरी नीयत से अश्लील हरकत करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिया और छेड़छाड़ करने लगा । और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए धमकाते हुए चला गया । पीडि.ता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है ।

त्रिलोकपुर में सुनी गई प्रधानमंत्री की मन की बात

कौशाम्बी। सिराथू विधानसभा क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में बूथ संख्या 194 में रविवार को पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इसे आम जन के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी सुना। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा के अजुहा मंडल के महामंत्री उमेश चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में स्पेस साइंस सहित नारी शक्ति को बढ़ावा देने सहित स्वास्थ्य संबंधित के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का आयोजन भाजपा कार्यकर्ता गौतम भट्ट ने त्रिलोकपुर स्थित अपने आवास में किया। मौजूद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गौतम भट्ट ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत ही नहीं विश्व में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार शहरों के साथ गांवों का भी समुचित विकास कर रही है। जरुरतमंदों के लिए राशन से लेकर आवास की सुविधाएं उपलब्ध हैं। सरकार द्वारा जनता के लिए तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही है । इस मौके गौतम भट्ट के साथ उमेश चंद्र पटेल , कमलेश पटेल , शंकर लाल , रोशन लाल यादव , शनि यादव , योगेंद्र कुमार , सूरत शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंझनपुर लेखपाल संघ के द्विवार्षिक चुनाव में प्रमोद यादव बने अध्यक्ष

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की उप शाखा मंझनपुर में द्विवार्षिक चुनाव रविवार को संपनन् हुआ। जिसमें प्रमोद कुमार यादव अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। मंत्री पद पर शीतेंद्र कुमार त्रिपाठी को चुना गया। इसके अलावा सुनील कुमार यादव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजकुमार को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, शिव भजन लाल को उप मंत्री, सुभाष कुमार को कोषाध्यक्ष और सलिल कुमार को आय व्यय निरीक्षक के पद पर चुना गया। नवनिर्वाचित लेखपाल संघ के अध्यक्ष को साथी लेखपालों ने माला पहनाकर बधाई दी। चुनाव संघ के जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह पाल व जिला मंत्री ज्वाला सिंह की देखरेख में सम्पनन् हुआ । इस दौरान तहसील के समस्त लेखपाल और कर्मचारी मौजूद रहे।

चिकित्सकों का दल कुंभ प्रयागराज के लिए रवाना

गोरखपुर। 52 चिकित्सकों का दल आईएमए सचिव डॉक्टर वाई सिंह के नेतृत्व में कुंभ के लिए निकाला।डॉ वाई सिंह ने बताया कि यह दल वहां पहुंचकर आम जनमानस के बीच जागरूकता अभियान चलाएगा और अपनी सेवाएं भी देगा और कुंभ स्थान भी करेगा।प्रशासन की तरफ से भी इस यात्रा को सुगम बनाने के लिए पास और विशेष दिशा निर्देश भी जारी किया गया है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ आर पी शुक्ला , डॉ अमरेश सिंह , डॉ दिनेश चंद्रा कर रहे हैं। दल में डॉ एस सोम , डॉ धर्मेंद्र राय , डॉ सौरभ पांडे , डॉ प्रियंका राय , डॉ सी राय , डॉ दीपक मोदी , डॉ अश्विनी अग्रवाल , डॉ रीता मिश्रा , डॉ प्रभात अग्रवाल , डॉ आर एस गोयल , डॉ ए पी शाही , डॉ अर्चना गुप्ता , डॉ वीरेंद्र गुप्ता , डॉ अर्चना शाही , डॉ सी राय , डॉ प्रतिभा जयसवाल , डॉ स्वीटी राय , डॉ शशांक गोयल , डॉ आनंद खनन आदि यात्रा में शामिल हैं।

जानलेवा हमले में पुत्र, भाई, एवं पूर्व प्रधान सहित कई जख्मी

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के एक गांव में पड़ोसियों ने पुरानी रंजिश को लेकर पूर्व प्रधान पर

जानलेवा हमला कर दिया जिसमें बीच बचाव में पूर्व प्रधान सहित परिवार के कई लोग जख्मी हो गए । पीडि.ति पिता के पुत्र ने सैनी पुलिस को तहरीर देकर हमलावारो पर कार्यवाही की मांग की है ।सैनी कोतवाली के पथरावा गांव का मजरा काजीपुर निवासी सौरभ सिंह पुत्र बचान सिंह ने रविवार को सैनी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रविवार की सुबह उसके पिता घर के दरवाजे पर बैठे थे । सौरभ सिंह का आरोप है कि इस दौरान पड़ोस के रहने वाले एक व्यक्ति ने पिता बचान सिंह पर लाठी डंडे से हमला कर दिया , जिसका वीडियो बनाने पर दबंग अपने परिवार के आधा दर्जन लोगों ने साथ मारपीट करने लगा और धारदार हथियार से बचान सिंह पर हमला कर लहूलुहान कर दिया जिससे बचान सिंह बेहोश होकर गिर गए, बीच बचाव में भाई पप्पू यादव व मां के साथ भी मारपीट कर जख्मी कर दिया । पीडि.ति ने मामले में पुलिस से कार्यवाही की मांग की है । पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज कार्यवाही में जुट गई है ।घायल पूर्व प्रधान बचान सिंह की हालत ठीक ना रहने पर जिला अस्पताल से एस आर एन प्रयागराज भेजा गया जहाँ अभी हालत मे कोई सुधार नहीं है

ऐरायां के अभिषेक मौर्य ने जेआरएफ में किया क्वालीफाइड

कार्यालय संवाददाता

खागा(फतेहपुर)भैरवां कला की चेतना मौर्य और शाहपुर के फरीद अहमद के बाद ऐरायां मशायख ग्राम पंचायत के भीखमपुर निवासी अनिल

मौर्य के सुपुत्र अभिषेक मौर्य ने यूजीसी के अंतर्गत नेट में सफलता प्राप्त करते हुए जेआरएफ में क्वालिफाइड किया है।अभिषेक लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी के परासनतक के छात्र हैं।उन्होंने लगातार दो बार परीक्षा को क्वालिफाइड कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

खागा तहसील क्षेत्र के ऐरायां मशायक मजरे भीखमपुर गांव निवासी अभिषेक कुमार मौर्य लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एमए द्वितीय वर्ष के छात्र हैं।दिसंबर सत्र की नेट एवं जेआरएफ की परीक्षा दी थी। जिसमें उन्होंने 300 में 226 अंक हासिल किए हैं।वह भी रिकॉर्ड 99.94 परसेंटाइल के साथ।प्रेस से बात करते हुए उन्होंने अपनी इस सफलता में अपने गुरुजनों और प्रियजनों के प्रति आभार व्यक्त किया है।उन्होंने अपने छोटे विद्यार्थी से भी इस परीक्षा में भाग लेने का आवाहन किया है। ताकि वे प्रियजनों और अपने क्षेत्र का नाम उज्ज्वल कर सकें।भविष्य में प्रतिभाग करने वाले विद्याथिर्यों को शुभ कामनाएं दी हैं। अभिषेक मौर्य ने बताया कि इस परीक्षा में वे बच्चे शामिल हो सकते हैं जो एमए कर रहे हैं या कर चुके हैं। जेआरएफ क्वालीफाई करने पर हर माह फेलोशिप मिलती है जो कि एक अच्छी धनराशि होती है ताकि छात्र बिना किसी आर्थिक परेशानी के शोध कार्य कर सकें।पिता अनिल मौर्य ने बताया कि अभिषेक इतने प्रतिभाशाली थे कि उन्होंने प्रवेश परीक्षा पास करते हुए हाई स्कूल नवोदय विद्यालय सरकंडी फतेहपुर तथा इंटरमीडिएट सीतापुर जिले के नवोदय विद्यालय से पास किया।सनतक की शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से पूरी करने के बाद परा सनतक हिंदी में लखनऊ विश्वविद्यालय से कर रहे हैं। इसके पहले ऐरायां ब्लॉक की चेतना मौर्य तथा हथगाम ब्लॉक के शाहपुर निवासी फरीद अहमद जेआरएफ क्वालीफाई कर चुके हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा आज सेः परीक्षार्थियों को प्राथमिक उपचार और मनोचिकित्सकों का भी मिलेगा साथ

लखनऊ। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित व नकलविहीन बनाने की तैयारी माध्यमिक शिक्षा विभाग ने की है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर न केवल सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई है, बल्कि परीक्षाथिर्यों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षाथिर्यों को प्राथमिक उपचार की सुविधा के साथ मनोचिकित्सकों द्वारा विशेष परामर्श भी दिया जाएगा ताकि छात्र परीक्षा के तनाव से मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके तहत हर परीक्षा केंद्र पर स्वास्थ्य किट और प्राथमिक चिकित्सा उपकरण की व्यवस्था की गयी है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके। परीक्षा के दौरान विद्याथिर्यों पर मानसिक दबाव का प्रभाव अक्सर गंभीर समस्याओं का रूप ले लेता है। ऐसे में परीक्षाथिर्यों के लिए मनोचिकित्सा परामर्श सेवा की भी व्यवस्था की है।परीक्षा अवधि के दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर प्रशिक्षित मनोचिकित्सक उपलब्ध होंगे, जो परीक्षाथिर्यों को तनाव, चिंता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर मार्गदर्शन देंगे। यह कदम न केवल विद्याथिर्यों की मानसिक स्थिति को संतुलित करेगा, बल्कि उन्हें परीक्षा के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने में भी सहायता करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि समय-समय पर होने वाले परामर्श सत्रों से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनकी चिंताओं का समाधान हो सकेगा। इसके अलावा महिला परीक्षाथिर्यों के लिए विशेष हेल्प डेस्क की भी व्यवस्था की गयी है। परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी होगी। कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की लाइव फीड देखी जा सकेगी। स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। संदिग्ध परीक्षा केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।बिजली विभाग को परीक्षा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे फर्जी परीक्षाथिर्यों की पहचान हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को 'स्ट्रॉन्ग रूम' से जोड़ा गया है, जहां प्रशन् पत्रों की 24□7 निगरानी होगी। उत्तर पुस्तिकाओं पर वाटरमार्क और क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोका जा सके। यूपी बोर्ड परीक्षाथिर्यों के आवेदन फॉर्म भरते समय ऑनलाइन डाटा फीडिंग में निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने बड़ी लापरवाही की है। इससे रविवार को भी राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में कई निजी स्कूल प्रबंधक व उनके प्रतिनिधि बच्चों के नाम और विषय में हुई त्रुटि को सुधरवाने के लिए पहुंचे हैं।कई स्कूल प्रबंधकों ने इसके लिए माफी भी मांगी है। बता दें इससे पहले जब ऑफलाइन प्रक्रिया होती थी तो सभी त्रुटियों को बोर्ड के माथे मढ़ दिया जाता था लेकिन अब ऑनलाइन आवेदन फार्म भरे जाते हैं। बोर्ड ने इसके लिए ऑनलाइन सुधार का मौका भी दिया था उसकी तिथि 17 फरवरी तक थी। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधक सुधार नहीं कर पाए। अब जब परीक्षा सिर पर है तो स्कूल प्रबंधक त्रुटियों को सुधारने के लिए जोर दे रहे हैं फिर भी यूपी बोर्ड ने छात्रों के हित को देखते हुए त्रुटियां सुधार का मौका दिया है।

राना मॉन्टेसरी स्कूल के बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाया अपना हुनर

रायबरेली। बीते कई दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते आ रहे राना मॉन्टेसरी जूनियर हाईस्कूल, किला बाजार में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों की वैज्ञानिक सोच को विकसित करना, वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझने में मदद करना, बच्चों में टीम वर्क और सहयोग की क्षमता विकसित करना था। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने विभिनन् प्रकार के विज्ञान संबंधित प्रोजेक्ट बनाकर अपनी वैज्ञानिक सोच को प्रस्तुत किया। जिसमें बच्चों द्वारा प्रकाश संश्लेषण, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर प्यूरीफिकेशन, सोलर लाइट, ट्रैफिक, चंद्रयान 3, इलेक्ट्रिक लिफ्ट, सोलर सिस्टम, डीएनए मॉडल, हृदय की आंतरिक एवं बाह्य संरचना, किडनी वर्किंग मॉडल, नेत्र की आंतरिक एवं बाह्य संरचना, एसिड रैन, एटीएम, इलेक्ट्रिक झूला, इलेक्ट्रिक जेनरेटर, पेड़ों का संरक्षण, वायु एवं जल प्रदूषण आदि पर 3डी प्रोजेक्ट बनाकर बहुत ही खूबसूरती से अपने विचारों को वायवा द्वारा अपने परीक्षकों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के सामने प्रस्तुत किया। ग्लोबल वार्मिंग पर अब्दुल रहमान, नैंसी निर्मल, अनन्या, रमशा, चंद्रयान 3 पर अंश निर्मल, पीयूष गुप्ता, इलेक्ट्रिक लिफ्ट पर अर्सलान, खुशी, हंजला, अदनान, इलेक्ट्रिक जेनरेटर पर जैनब, हिरा, स्वालेहा आदि बच्चों ने प्रोजेक्ट पर प्रकाश डालते हुए बहुत ही सुंदर रूप से अभिभावकों और शिक्षकों के सामने प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया। विज्ञान प्रदर्शनी की सफल बनाने में मुख्य रूप से रुबीना, शाहनुमा, सैफ, सबा, तूबा, इफरा, अलीना, इफ़त, सादिया खान, शाइना, पूजा वर्मा, जीनत, आमना, यशरा, कनीज, इलमा, शिफा, नूरसबी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अनार का जूस वजन कम करने में हो सकता है लाभकारी

फलों-सब्जियों का जूस संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके सेवन से शरीर को आवश्यक विटामिन्स और पोषक तत्व प्राप्त होते हैं, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इससे विशेष लाभ मिल सकता है। अनार के जूस का वर्षों से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए सेवन किया जाता रहा है। माना जाता है कि अनार का जूस शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को ठीक करने, एनीमिया से निजात दिलाने, शरीर को ऊर्जा देने और पाचन स्वास्थ्य को ठीक रखने में मददगार हो सकता है। क्या अनार का जूस वजन कम करने में लाभकारी हो सकता है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि कई डाइट प्लान में वजन कम करने के लिए लोगों को आहार में अनार के जूस को शामिल करने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अनार का जूस कई प्रकार के पोषक तत्वों जैसे प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत है। ये सभी पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म और पाचन को ठीक रखने में मदद करते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है। चूंकि इसमें कैलोरी की भी मात्रा अधिक नहीं होती है ऐसे में इसके सेवन से न सिर्फ शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिल जाते हैं साथ ही वजन बढ़ने का जोखिम भी कम होता है। अनार को पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है, इसमें फाइबर की मात्रा होती है जो पाचन स्वास्थ्य को ठीक रखने में सहायक है। जानवरों के अध्ययन में पाया गया है कि अनार के एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटी-कैंसर वाले प्रभाव होते हैं, जो आंतों को स्वस्थ रखने और बेहतर पाचन को सुनिश्चित करने में सहायक है। यह मेटाबॉलिज्म को भी ठीक रखकर पाचन और वजन के लिए फायदेमंद हो सकती है।अनार में पॉलीफेनोल्स नामक प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। पॉलीफेनोल्स शरीर में विभिन्न प्रकार की सूजन स्थितियों के इलाज के लिए प्रभावी पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि इंफ्लामेटरी समस्याओं जैसे इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी), रुमेटाइड आर्थराइटिस, मेटाबॉलिज्म और हृदय संबंधी विकारों को दूर करने में यह प्रभावी हो सकता है।

जिंदगी में बदलाव के लिए सुबह 8 बजे से पहले करें ये 8 काम

आप सभी अपनी जिंदगी में बेहद व्यस्त हैं, जिसके कारण आपको अपने सपनों को साकार करना असंभव लगता है। लेकिन कुछ आसान तरीकों को अपनाकर अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। आप सुबह आठ बजे से पहले आठ काम जरूर करें, जिससे कि आपकी जिंदगी में तेजी से बदलाव आएगा। सुबह-सुबह आठ काम काफी ज्यादा लग सकते हैं लेकिन ये बेहद ही आसान है। तो आइए जानते हैं ये आठ काम-

1- कम-से-कम सात घंटे की नींद अवश्य लें

स्वस्थ शरीर के लिए पर्याप्त नींद खाने-पीने के जितनी ही जरूरी है। लेकिन इसके बावजूद लाखों लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं और इसके चलते वे मानसिक समस्याओं के शिकार हो जाते हैं। इसलिए आप इन समस्याओं से बचने के लिए सात घंटे की नींद जरूर लें। पर्याप्त नींद लेने से यादाश्त तेज होती है, जिंदगी लंबी होती है।

2- प्रार्थना और ध्यान योग करें

एक अच्छी नींद लेकर जगने के बाद प्रार्थना और ध्यान योग करें। ये जीवन में सकारात्मकता लाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। आपने यह नोटिस किया होगा कि जब आप सुबह उठते हैं तो दिमागमें बहुत सारे कामों को निनपटटाने की एक लंबी सूी होती है इन कामों के बोझ से मन विचलित हो जाता है। लेकिन जब आप सुबह उठने के बाद नियमित रूप से प्रार्थना और ध्यान योग करते हैं तो मन विचलित नहीं होता।

3- कसरत करें

कसरत भी जरूरी है। प्रतिदिन कसरत करने से शरीर मजबूत रहता है। सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल नेशनल हेल्थ के एक सर्वे के मुताबिक, 25 से 64 वर्ष की उम्र के एक-तिहाई अमेरिकी पुरुष और महिलाएं नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि या कसरत करते हैं। नियमित कसरत करने से आप न केवल स्वस्थ व खुश रहते है, बल्कि आपकी उत्पादकता भी बढ़ती है।

4- 30 ग्राम प्रोटीन अवश्य लें

पूरे दिन भर के कार्यों को करने के लिए शरीर में ऊर्जा होना बेहद जरूरी है। इसलिए सुबह नाश्ते में पौष्टिक आहार को महत्व दें। इसमें प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करें। इलिनोइस यूनिवर्सिटी में न्यूट्रिशन के प्रोफेसर एमेरिटस नाश्ते में30 ग्राम प्रोटीन का सेवन करने की सलाह देते हैं।

5- ठंडे पानी से नहाएं

सुबह नियमित रूप से ठंडे पानी से नहाएं, इससे शारीरिक और मानसिक को बेहद आराम मिलेगा। एक अध्ययन के मुताबिक ठंडे पानी से नहाना अवसाद को कम करता है। ठंडा पानी मूड अच्छा करता है जिससे आप खुश रहते हैं।

6- मनोबल बढ़ाने वाला संगीत सुनें

दिनभर काम के चलते आपको पढ़ने का समय नहीं मिल पाता। ऐसे में सुबह 15-20 मिनट सुबह अच्छा संगीत जरूर सुनें। अच्छी किताबें भी पढ़ सकते हैं।

7- जीवन संघर्ष की समीक्षा करें

एक डायरी में अपने छोटे-बडे॰ लक्ष्यों के बारे में लिखें और उनकी समीक्षा करें। इससे आपको अपने जीवन के दृष्टिकोण के बारे में पता चलता है।

8- लंबी योजना पर अवश्य काम करें-

रोजमर्रा के जरूरी कामों के साथ जीवन में कुछ महत्वपूर्ण करना भी जरूरी है। इसीलिए किसी एक लंबी योजना अवश्य काम करें। बहाना बनाकर अपने लक्ष्य को पीछे न छोड़ें।

कोरोना भगाने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल टोटके

महामारी से बचने के लिए पहले के लोग कोई न कोई टोटका किया करते थे। इसका कारण था मेडिकल साइंस का असहाय होना। कोरोना वायरस के मामले में भी यही देखा जा रहा है। मेडिकल साइंस को असहाय देख टोटकाबाजों की चल पड़ी है। सोशल साइट्स पर मैसेज वायरल कर तरह-तरह की अफवाहें फैला रहे हैं। हालांकि, पटना जिला प्रशासन ने ऐसे मैसेज वायरल करने वालों के खिलाफ चेतावनी जारी की है।

अफवाह 1ः प्रलय से बचने को लगाएं हल्दी - दुनिया में प्रलय होने वाला है। अभी फैले कोरोना जैसी वैश्विक महामारी उसी का एक उदाहरण है। इससे बचना है तो सभी लोग अपने-अपने दोनों पैरों में हल्दी लगा लें। यह सुनने में आपको अजीब जरूर लगा होगा। लेकिन बिहार के कई शहरों से इस तरह की बातें सामने आ रही हैं और लोग पैर में हल्दी भी लगा रहे हैं। शुक्रवार से यह बातें आग की तरह फैल रही हैं। शनिवार की सुबह भागलपुर, सहरसा से पटना में रह रहे अपने-अपने परिजनों को इस तरह की बातें बताईं। जिसके बाद यहां के लोगों ने भी पैर में हल्दी लगाई।

अफवाह 2 ः घरों के बाहर जलाएं दीपक - पांच दिन अफवाह फैली की प्रलय से बचने के लिए घर के बाहर दीपक जलाएं। इसके बाद राजधानी के ज्यादातर इलाकों में दीपक भी जलाए गए। इसके अलावा हाथ के पंजे में हल्दी का छापा मारा। उसपर सिंदूर भी लगाए। घर में जितने पुरुष हैं, उतने दीपक जलाए।

अफवाह 3 ः बाल को गंगाजल में धोकर पीएं - कोरोना वायरस से बचने के लिए नवरात्र पर एक खबर वायरल हो रही है जिसे धड़ल्ले से सोशल साइट पर शेयर किया जा रहा है। दुर्गा सप्तशती में मां दुर्गा के बाल और पलक के बाल मिलने की लोग फोटो खींचकर फेसबुक, वाट्सएप और इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर रहे हैं। इतना ही नहीं आस्था के नाम पर खिलवाड़ करने वाले लोग इस बाल के मिल जाने पर इसे गंगाजल से धो कर जल को पीने का वीडियो भी अपलोड कर रहे हैं। इतना ही नहीं फोन से अपने मित्रों और रिश्तेदारों को भी इसकी जानकारी दे रहे हैं। साथ ही माता के बाल मिलने पर इसे गंगाजल में डुबोकर पानी पीने को कहा जा रहा है जिसे लोग कर भी रहे हैं।

मनोवैज्ञानिक से बातचीत ःडर के माहौल में ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। इससे बचना चाहिए। खुराफाती लोग आस्था और भगवान के नाम पर खिलवाड़ कर रहे हैं। कोरोना से बचने के लिए साफ सफाई रखने को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसा करना हानिकारक भी हो सकता है।- डॉ. बिन्दा सिंह, मनोवैज्ञानिक

स्किन केयर के लिए वरदान है दूध

दूध का इस्तेमाल स्किन पर करने से कई तरह के फायदे मिलते हैं। स्किन को डीप क्लीन करने के लिए भी कुछ लोग कच्चे दूध का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा को साफ करने के लिए या फेस मास्क की तरह दूध का इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसा करने से मुंहासों का इलाज करने में मदद मिल सकती है। दूध और पपीता- स्किन पिग्मेंटेशन से छुटकारा पाने के लिए आप इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए कच्चा पपीता और दूध लें और दोनों को अच्छे से मिक्स करें। फिर चेहरे को साफ करें और फिर स्टीम लें। अब इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं। 20 से 25 मिनट के लिए अप्लाई करें और फिर ठंडे पानी से धोएं। गुलाब की पत्तियां और दूध-स्किन ग्लो को बढ़ाने के लिए ये फेस पैक काम आ सकता है। इसके लिए दूध रो गर्म करें और फिर गुलाब की पत्तियों को धोएं और इसमें डाल दें। कुछ देर के लिए आंच पर ही रहने दें और फिर इन गुलाब की पत्तियों को चम्मच से दूध में ही तोड़ दें। कुछ देर के लिए रखें और ठंडा होने दें। फिर इसे फ्रिज में रखें और 2 से 3 घंटे बाद इसे साफ चेहरे पर अप्लाई करें। केसर और दूध- दोनों ही चीजें स्किन के लिए बेहतरीन हैं। इसके लिए केसर के कुछ रेशों को दो बड़े चम्मच दूध में कुछ घंटों के लिए भिगो दें। फिर इसमें एक कॉटन बॉल भिगोएं और इसे अपने पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। गुलाबजल और दूध- स्किन को मॉइश्चराइज और हाइड्रेट करने के लिए इस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक बड़ा चम्मच दूध और एक बड़ा चम्मच गुलाब जल एक साथ मिलाएं और रूई की मदद से इसे अपने चेहरे पर लगाएं। इसे 5-8 मिनट तक लगा रहने दें और ठंडे पानी से धो लें।

गर्मियों में जरूर खाएं ककड़ी, वजन कम होने के साथ ही डिहाइड्रेशन से भी होगा बचाव

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही लोग अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखने लगते हैं। इस मौसम में लोग अपनी डाइट में ऐसे फूड आइटम्स शामिल करते हैं, जो न सिर्फ उनके शरीर में ठंडक बनाएं रखे, बल्कि उन्हें डिहाइड्रेशन से बचाए। अगर आप भी अपनी डाइट के लिए ऐसा ही कोई फूड आइटम ढूंढ रहे हैं, तो ककड़ी एक बढ़िया विकल्प होगी। पानी से भरपूर ककड़ी में विटामिन ए, सी, के, पोटेशियम, फाइबर जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप आसान तरीके से अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो इसके लिए ककड़ी का सेवन जरूर करें। इसमें बेहद कम कैलोरी पाई जाती है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है, जिससे आपको भूख नहीं लगती और आप ज्यादा खाने से बचे रहते हैं। ककड़ी खाने से आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी नियंत्रित रहता है। दरअसल, इसमें मौजूद स्टेरॉल नामक तत्व शरीर में कोलेस्ट्रोल का सही स्तर बनाए रखने में मदद करता है। अगर आप ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं, तो इसके लिए ककड़ी आपके काफी काम आ सकती है। इसे खाने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने में काफी मदद मिलती है। इसमें भारी मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में काफी मददगार होता है। ककड़ी में पाया जाने वाला भरपूर मात्रा में पानी हमारी सेहत के लिए काफी गुणकारी होता है। यह पोटेशियम के साथ मिलकर यूरिक एसिड और सभी विषाक्त पदार्थों को शरीर में बाहर निकाल देता है, जिससे किडनी स्वस्थ रहती है और पथरी आदि समस्याएं नहीं होती। ककड़ी न सिर्फ हमारी सेहत, बल्कि हमारी त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है। अगर आप ककड़ी को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो रोजाना इसे खाने से आपके बालों की ग्रोथ बेहतर होगी है। साथ ही इसका जूस पीने से त्वचा पर मौजूद दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं, जिससे स्किन चमकदार होती है। अगर आप नियमित रूप से ककड़ी का सेवन करते हैं, तो इससे आपकी हड्डियों को भी काफी फायदा मिलता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन के बोन डेंसिटी बढ़ता है, जिससेनियमित रूप से ककड़ी खाने से आपको कब्ज की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा इसके सेवन से आपको गैस और अपच जैसी पेट की समस्याओं से भी निजात मिलती है।

कोरोना का कहरः जरूरी नहीं कोरोना के हर मरीज को हो हाईग्रेड फीवर, हर व्यक्ति में नजर आते हैं वायरस के अलग लक्षण

उत्तराखंड के अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों में से किसी में भी हाईग्रेड फीवर और सांस में तकलीफ के लक्षण नहीं मिले हैं। हर मरीज पर कोरोना वायरस का असर अलग तरह से दिखाई दिया। मरीजों में वायरस लोड कम होने की स्पीड भी अलग अलग देखी गई।

दून अस्पताल से शुक्रवार को डिस्चार्ज हुए ट्रेनी आईएफएस स्वरूप दीक्षित कोरोना वायरस से सिर्फ पांच दिन ही प्रभावित रहे। दूसरी रिपोर्ट में ही वह नेगेटिव आ गए और नौवें दिन अस्पताल से उन्हें छुट्टी मिल गई। दीक्षित को लो ग्रेड फीवर आया और उनके सूंघने व स्वाद लेने की शक्ति खत्म हो गई।

हल्का बुखार, नाक बंद- अस्पताल में एक अन्य कोरोना पॉजीटिव ट्रेनी आईएफएस पिछले 12 दिन से भर्ती हैं। कोरोना की वजह से उनका गला खराब हुआ और दो दिन तक हल्के बुखार के साथ नाक बंद रही। कोरोना से मुक्ति के लिए उन्हें पांच बार सैंपल टेस्ट कराने पड़े, ताजा रिपोर्ट नगेटिव आ चुकी है और डिस्चार्ज होने के लिए एक अन्य नेगेटिव रिपोर्ट का इंतजार है।

बुखार नहीं आया- अस्पताल में ही भर्ती तीसरे ट्रेनी आईएफएस अफसर को तो बुखार भी नहीं आया। उन्हें कोरोना की वजह से सिर्फ बदन टूटने और थकान की शिकायत रही। वह नौ दिन से अस्पताल में हैं और तीसरी जांच में उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। एक और जांच में नेगेटिव आने के बाद उन्हें भी छुट्टी दे दी जाएगी।

सिर्फ सामान्य खांसी- अस्पताल में भर्ती एक अन्य कोरोना पॉजीटिव अमेरिकी नागरिक भी सामान्य हैं। तीन दिन की सामान्य खांसी के अलावा उनमें कोरोना का कोई गंभीर लक्षण नहीं दिखाई दिया है।

सांस में तकलीफ नहीं

दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ आशुतोष सयाना ने बताया कि अस्पताल में भर्ती चारों कोरोना पॉजीटिव मरीजों में से किसी को भी हाई ग्रेड फीवर नहीं आया। न किसी को सांस लेने की तकलीफ जैसी परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि सभी मरीज युवा थे इसलिए इम्युनिटी की वजह से ऐसा हुआ हो। उन्होंने बताया कि हर मरीज में वायरस के लक्षण अलग अलग नजर आए। शनिवार को 21 साल के एक युवा में कोरोना की पुष्टि हुई है। लेकिन इस युवा में भी हाईग्रेड फीवर या कोई अन्य गंभीर लक्षण नहीं हैं। युवक को बहुत सामान्य बुखार हुआ था। लेकिन विदेश की हिस्ट्री होने की वजह से डॉक्टरों ने उनका सैंपल जांच के लिए भेज दिया। युवक पूरी तरह सामान्य दिखाई देने की वजह से कई दिनों से घर पर ही रहा।

कोविड-19 से बचे रहना है तो कम करें नमक का सेवन, जानें क्या है पीछे छिपी बड़ी वजह

कोरोना वायरस से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरोधी क्षमता को बेहतर करना जरूरी है। अगर आप अपनी प्रतिरोधी क्षमता को मजबूत करना चाहते हैं तो खाने में नमक का प्रयोग कम करें। उच्च नमक वाला आहार सिर्फ रक्तचाप को ही नहीं बढ़ाता बल्कि रोग प्रतिरोधी क्षमता को भी कमजोर करता है। यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बोन में किए गए एक हालिया शोध में ये खुलासा किया गया है।शोधकर्ताओं ने चूहों पर अध्ययन किया। उन्होंने देखा कि जिन चूहों को उच्च नमक वाला आहार दिया गया उनमें बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन ज्यादा हुआ। वहीं, शोध में शामिल किए गए जिन इंसानी प्रतिभागियों ने हर दिन छह ग्राम अतिरिक्त नमक का सेवन किया उनकी भी रोग प्रतिरोधी क्षमता कमजोर पाई गई। दिन में दो बार फास्ट फूड का सेवन करने से इंसान छह ग्राम अतिरिक्त नमक का सेवन कर लेते हैं। इस शोध को पत्रिका साइंस ट्रांसलेशन मेडिसिन में प्रकाशित किया गया।

ऐसे किया गया अध्ययनः सोडियम क्लोराइड इंसानों की रोग प्रतिरोधी क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। शोधकर्ताओं ने कुछ प्रतिभागियों को हर दिन छह ग्राम अतिरिक्त नमक का सेवन कराया। ये नमक दो फास्ट फूड में मौजूद थे जैसे दो बर्गर और दो फ्रेंच फ्राई के पैकेट। एक हफ्ते बाद शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों के खून के नमूने लिए और उनमें मौजूद ग्रैनुलोसाइट की मात्रा को देखा। ग्रैनुलोसाइट प्रतिरोधी कोशिकाएं होती हैं जो रक्त में मौजूद होती हैं।नमक की उच्च मात्रा के कारण ये कोशिकाएं बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में कम प्रभावकारी साबित हो रही थीं। ज्यादा नमक खाने से रक्त में ग्लूकोकोरटिसोइड का स्तर भी बढ़ गया। ये पदार्थ प्रतिरोधी क्षमता पर हावी होकर उसे कमजोर कर देता है। नमक का ज्यादा सेवन करने से प्रतिरोधी क्षमता कमजोर हो सकती है।

इतनी मात्रा में खाएं नमक- शोध के अनुसार एक वयस्क को दिन में पांच ग्राम से ज्यादा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन, असलियत में लोग इससे कहीं ज्यादा नमक का सेवन हर दिन कर लेते हैं। रोबर्ट कोच इंस्टीट्यूट के एक शोध के अनुसार एक औसत आदमी दिनभर में 10 ग्राम नमक का सेवन करता है और महिला आठ ग्राम नमक का सेवन करती हैं।

अक्षर के डायरेक्ट हिट से आउट हुए इमाम, हार्दिक ने की बाबर की बोलती बंद, तस्वीरों में मैच का रोमांच

यूएनएस।

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबले के आगाज हो चुका है। मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। इस मुकाबले का लुत्फ उठाने के लिए टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी दुबई के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पहुंचे है। भारतीय टीम इस मुकाबले में हावी नजर आ रही है।

पिछले महीने 31 वर्षीय गेंदबाज को आईसीसी ने साल 2024 का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, इंग्लैंड के जो रूट और हैरी ब्रूक को पीछे छोड़ा था। इसके अलावा बुमराह साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर भी चुने गए। अब भारत बनाम पाकिस्तान मैच से पहले आईसीसी ने उन्हें इन अवॉर्ड्स से सम्मानित किया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। वह पीठ में चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। उनकी जगह हर्षित राणा को स्क्वॉड में शामिल किया गया। इससे पहले वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे।भारत के खिलाफ महामुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। पाकिस्तान के कप्तान रिजवान ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। चोटिल फखर जमां की जगह इमाम उल हक खेल रहे हैं।इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया है। हिटमैन ने कहा कि वह टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का ही फैसला लेने वाले थे। इसलिए टॉस हारने का उन्हें नुकसान नहीं हुआ है।महासंग्राम की शुरुआत हो चुकी है। भारत ने पहला झटका पाकिस्तान को 41

रन के स्कोर पर दिया। हार्दिक पांड्या ने उन्हें अपना शिकार बनाया। वह 23 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।पाकिस्तान को पारी के 10वें ओवर में दूसरा झटका लगा। अक्षर पटेल के डायरेक्ट हिट पर इमाम उल हक को रन आउट किया। इमाम 26 गेंद में 10 रन बना सके। पाकिस्तान को लगातार दूसरे ओवर में झटका लगा है। इससे पहले नौवें ओवर में हार्दिक ने बाबर को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया था। वह 23 रन बना सके थे। पारी के पहले ओवर में ही शमी ने 11 गेंदें डालीं। वह पूरे लय में नहीं दिख रहे थे। टीम इंडिया की परेशानी तब बढ़ी जब वह पारी के छठे ओवर के बाद मैदान से बाहर चले गए। हालांकि, पाकिस्तानी पारी के 11वें ओवर के बाद वह मैदान पर लौट आए और उन्होंने 12वें ओवर में गेंदबाजी की।

दरअसल, पारी के पांचवें ओवर में शमी गेंदबाजी करने आए। यह उनका तीसरा ओवर था। चौथी गेंद के बाद शमी थोड़ी परेशानी में दिखे। इसके बाद फीजियो दौड़ते हुए मैदान पर आए। इस ओवर में शमी अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन रन अप में परेशानी से उन्होंने फीजियो से दिखाना जरूरी समझा। उनके टखने में समस्या दिखी। इसके बाद भी उन्होंने दो गेंदें और फेंकीं और मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद 12वें ओवर में जब उन्होंने गेंदबाजी की तो पूरे लय में दिखे और महज तीन रन खर्च किए। शमी ने हाल ही में चोट से वापसी की थी। उनके पैर का ऑपरेशन हुआ था। 2023 वनडे विश्व कप के बाद 14 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने के बाद शमी ने वापसी की थी।पहले ओवर में मोहम्मद शमी की पांच वाइड, 2004 में बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ तिनशे पन्यांगारा की सात वाइड के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में किसी पारी के पहले ओवर में सबसे अधिक वाइड गेंदें हैं। आज पहले स्पैल में शमी की औसत गति 131.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रही। 2015 के बाद से वनडे में उनके शुरुआती स्पैल में यह सबसे कम है। भारत और पाकिस्तान मैच के दौरान टीम इंडिया को जसप्रीत बुमराह का भी साथ मिलेगा। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जस्सी टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं बावजूद इसके वह दुबई पहुंचे। असल में बुमराह मैदान में बैठकर टीम इंडिया का हौसला बढ़ाएंगे। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया टूर पर चोट लगी गई थी। इसके चलते वह आखिरी टेस्ट के फाइनल सेशन में गेंदबाजी भी नहीं कर पाए थे। इस चोट के चलते ही बुमराह पिछले कुछ अरसे से टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह जगह नहीं बना पाए थे। इस दौरान उन्होंने टीम इंडिया के सितारों से मुलाकात की और विराट कोहली ने उन्हें गले लगाया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। वहीं टीम ने फख? जमान की जगह इमाम-उल-हक को मौका दिया है। इस रोमांचक मुकाबले के लिए बुमराह भी खुद को बाहर नहीं रख पाए और दुबई पहुंच गए।चैंपियंस ट्रॉफी का ये पांचवां मैच है। अभी तक भारत और पाकिस्तान ने दोनों ने एक-एक मैच ही खेला है। जहां भारत की टीम ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को हराकर विजयी आगाज किया है। जबकि पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में पाकिस्तान के लिए ये मैच काफी अहम हो गया है। अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ ये मुकाबला हार जाती तो फिर उसके लिए टूर्नामेंट में बने रहना काफी मुश्किल हो जाएगा।

अफरीदी ने अच्छे शब्दों से स्वागत किया, बोले युवराज, शाहिद ने कहा-युवी सन ऑफ सरदार

यूएनएस।

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को महामुकाबला खेला जा रहा है। मुकाबले से पहले ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें शाहिद अफरीदी, युवराज सिंह, इंजमाम उल हक और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे दिग्गज शामिल हुए। इस दौरान युवराज और अफरीदी ने पुराने मैचों को याद किया और एक दूसरे पर चुटकी ली। युवराज ने 2003 में खेले गए पाकिस्तान के खिलाफ अपने पहले मैच को याद किया।

युवराज सिंह ने कहा, 'यह मेरे द्वारा खेले गए सबसे शानदार वनडे मैचों में से एक है। मेरे दोस्त शाहिद अफरीदी ने उस मैच में बहुत सारे 'अच्छे शब्दों' के साथ मेरा स्वागत किया था। तब मुझे वास्तव में समझ में आया कि भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता का क्या मतलब है। इसे टीवी पर देखना एक बात थी, लेकिन इसमें खेलना पूरी तरह से अलग था। मुझे खुद पर भारी दबाव याद है, लेकिन उस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने से मुझे भविष्य में एक बेहतर खिलाड़ी बनने का आत्मविश्वास मिला।'अफरीदी ने कहा, 'युवराज उस समय युवा थे, टीम में अपनी जगह तलाश रहे थे। हमें इंजमाम-

उल-हक और वसीम अकरम जैसे दिग्गजों के साथ खेलने का मौका मिला। उन्होंने हमें सिखाया कि मैदान पर कैसे लड़ना है, मैच कैसे जीतना है और विपक्ष को कैसे परेशान करना है। हमारे सीनियर हमसे कहते थे, 'विपक्षी टीम को आंख दिखाओ। उन पर दबाव डालो।' लेकिन युवराज सन ऑफ सरदार हैं, वह दबाव नहीं लेते। वह आत्मविश्वास के साथ मैदान पर आए और हमारे सब कुछ कहने के बावजूद उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित किया और इसे बहुत अच्छी तरह से संभाला। 'अफरीदी ने कहा, 'एक क्रिकेटर के लिए भारत-पाकिस्तान मैच एक सुनहरा अवसर है, खासकर युवाओं के लिए। भारत के खिलाफ खेलना हमेशा से मेरा सपना था। भारत के खिलाफ हर बार अपने मैच से पहले की रात में मैं सो नहीं पाता था। मैं अपने प्रदर्शन के बारे में सोचता था और यह भी सोचता था कि मैं इस मौके को कैसे पूरी तरह भुना सकता हूं। मैं उस मौके को कभी गंवाना नहीं चाहता था। भले ही मैंने उस मैच से पहले पिछले पांच या छह मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया हो, लेकिन मैंने भारत-पाकिस्तान मैच में अच्छा प्रदर्शन किया, तो सब कुछ माफ कर दिया जाएगा। आप समझ सकते हैं कि यह प्रतिद्वंद्विता कितनी बड़ी है।'

भारत ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश पर जीत के साथ की है। वहीं, गत चैंपियन पाकिस्तान को पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी और उनका आत्मविश्वास डगमगाया हुआ होगा। पाकिस्तान अगर यह मुकाबला हार गई तो उसके लिए आगे की राह चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जबकि भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के करीब पहुंच जाएगा। महामुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा- आज हम फिर से नई शुरुआत करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। हम एक और दिन में एक और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए उतरेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है।भारत का पिछले कुछ समय से आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टीम इंडिया ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और अब उसके पास छह महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने का मौका रहेगा। भारतीय टीम पिछली बार विजेता बनने से चूक गई थी और उसे फाइनल में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और अब 12 साल बाद टीम की नजरें एक बार फिर इस खिताब को अपने नाम करने पर टिकी होंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा कि उनकी टीम एक बार फिर चैंपियन बनने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा- अब नया साल है, एक नया टूर्नामेंट है और नई चुनौतियां हमारा इंतजार कर रहे हैं। फिर से चैंपियन बनने की कवायद शुरू हो गई है। इस दौरान 31 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रशंसकों से मिले समर्थन पर भी बात की। पांड्या ने कहा कि पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है। बता दें कि, पांड्या को पिछले साल आईपीएल में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था।

वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था।पांड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। इस टूर्नामेंट में पांड्या ने 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए थे। उन्होंने आगे कहा- मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें (प्रशंसकों का दिल) वापस जीत लिया है।

पूर्व कप्तान इयान चैपल ने पत्रकारिता को कहा अलविदा

यूएनएस।

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर इयान चैपल ने रविवार को अपना आखिरी कॉलम लिखकर अपने पांच दशक से अधिक समय तक चले पत्रकारिता करियर को अलविदा कह दिया। 81 वर्षीय क्रिकेटर ने ईएसपीएनक्रिकइनफो के लिए अपने आखिरी कॉलम में उन कुछ बेहतरीन पलों का जिक्र किया। इनमें 1998 के चेनन्ई टेस्ट में सचिन तेंदुलकर और स्पिन के जादूगर दिवंगत शेन वार्न के बीच शानदार मुकाबला और कोलकाता में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वीवीएस लक्ष्मण की 281 रन की ऐतिहासिक पारी भी शामिल है। चैपल ने लिखा- लिखते हुए आनंद के कई पल आए, विशेष रूप से सचिन तेंदुलकर का चेनन्ई में शेन वार्न से मुकाबला करना। अन्य मुख्य आकर्षणों में ब्रायन लारा की प्रतिभा, रिकी पोंटिंग की आक्रामकता और कोलकाता में वीवीएस लक्ष्मण की 281 रन की कलात्मक पारी के बारे में लिखना शामिल है।चैपल ने हालांकि महसूस किया कि अब कलम को नीचे रखने और कंप्यूटर को पैक करने का सही समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता से संन्यास लेना उतना ही भावनात्मक है जितना कि क्रिकेट को अलविदा कहना। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 75 टेस्ट में 5345 रन बनाने वाले चैपल ने कहा, मैं 50 से अधिक वर्षों से लिख रहा हूं, लेकिन अब विदाई का समय आ गया है और यह मेरा आखिरी कॉलम होगा। पत्रकारिता को अलविदा कहना भी क्रिकेट के समान ही है लेकिन मैं जानता हूं कि इसके लिए यह सही समय है।

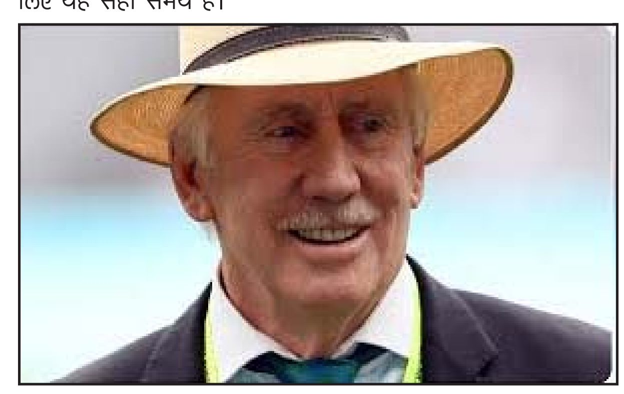

वनडे में लगातार 12वां टॉस हारा भारत, बनाया अनचाहा रिकॉर्ड, नीदरलैंड को पछाड़ा

यूएनएस।

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला जारी है। ग्रुप-ए के खिलाफ टीम इंडिया सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। भारत ने 3-0 से इंग्लैंड का सूपड़ा साफ किया था। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-

ए का अपना पहला मुकाबला भी जीता था।

का यह मुकाबला दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यह लगातार पांचवीं बार रहा जब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉस हारे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीनों मैचों में भी टॉस गंवाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में भी यह सिलसिला जारी रहा। हालांकि, इंग्लैंड

भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 12वां टॉस गंवाया है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है। इस दौरान भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में टॉस गंवा चुकी है।इस दौरान भारत ने पिछले 11 वनडे मैचों में से छह जीते हैं, जबकि चार में हार मिली है। एक मैच टाई रहा है। वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने के मामले में भारत ने नीदरलैंड को पीछे छोड़ दिया। भारत अब इस अनचाहे रिकॉर्ड में सबसे आगे है। नीदरलैंड की टीम मार्च 2011 से लेकर अगस्त 2013 तक लगातार 11 वनडे में टॉस हारी थी। वहीं, आईसीसी के नियमित सदस्य देशों में भारत के आंकड़े सबसे ज्यादा हैं। भारत के खिलाफ महामुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। पाकिस्तान के कप्तान रिजवान ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। चोटिल फखर जमां की जगह इमाम उल हक खेल रहे हैं। वहीं, भारतीय कप्तान रोहित ने प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। रोहित ने कहा कि वह टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का ही फैसला लेने वाले थे। इसलिए टॉस हारने का उन्हें नुकसान नहीं हुआ है। इस कड़ी में टीम इंडिया ने पहला टॉस न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में हारा था। रोहित शर्मा ने अंतिम बार वनडे में नीदरलैंड के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टॉस जीता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में भी टॉस हारा था लेकिन मैच जीतने में उसे कोई परेशानी नहीं हुई थी। पाकिस्तान की तरफ बांग्लादेश ने भी पहले बल्लेबाजी चुनी थी लेकिन शुभमन गिल के शतक और केएल राहुल की सूझबूझ भरी पारी से टीम इंडिया ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था।चैंपियंस ट्रॉफी का ये मुकाबला मेजबान के लिए करो या मरो जैसा है। न्यूजीलैंड से पहले मैच हारने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए पाकिस्तान के लिए इस मुकाबले को जीतना बहुत जरूरी है। टीम इंडिया की बात करें तो उसने इसी मैदान पर बांग्लादेश को हराया था। भारत पाकिस्तान को हराता है तो वह सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

सेमीफाइनल के लिए कदम बढ़ाने उतरेगा न्यूजीलैंड, एक और हार बांग्लादेश के रास्ते कर सकती है बंद

यूएनएस।

नई दिल्ली। पहले मैच में पाकिस्तान को मात देने वाली न्यूजीलैंड की टीम का सामना ग्रुप ए के मुकाबले में सोमवार को बांग्लादेश

से होगा। भारत ने बांग्लादेश को पिछले मैच में हराया था। न्यूजीलैंड अगर बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही तो सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ा लेगी, जबकि बांग्लादेश का सफर लगभग ग्रुप चरण में ही थम जाएगा।

न्यूजीलैंड की टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान को 60 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इस बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा। दूसरी तरफ बांग्लादेश को अपने पहले मैच में भारत के हाथों छह विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसका नेट रन रेट भी खराब है और उसे सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड ने पहले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया था। पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज खेलने से उसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में मदद मिली। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले उसे अपनी अंतिम एकादश का चयन करने के लिए थोड़ा माथापच्ची करनी होगी क्योंकि रचिन रवींद्र सिर की चोट से उबरकर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी अनुपस्थिति में डेवोन कॉनवे और विल यंग ने पारी की शुरुआत की थी। यंग को उनके लिए जगह बनानी थी लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह पक्की कर ली।यंग ने स्पिन गेंदबाजों का डटकर सामना करने की अपनी काबिलियत का लगातार सबूत पेश किया है। इसके अलावा उन्हें बाहर करने से शीर्ष क्रम में दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन भी गड़बड़ा जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर न्यूजीलैंड रचिन को अंतिम एकादश में शामिल करता है तो उनके लिए किस खिलाड़ी को बाहर जाना पड़ेगा। इसके अलावा न्यूजीलैंड की टीम में किसी तरह का कोई मसला नहीं है।जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसके सामने अब बड़ी चुनौती है। भारत के खिलाफ पहले मैच में तीनों विभाग में उसकी कमजोरी खुलकर सामने आई थी। उसकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए जल्द से जल्द संगठित होना पड़ेगा। बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा, क्योंकि पिछले मैच में उसकी बल्लेबाजी का संघर्ष स्पष्ट नजर आ रहा था। अगर जाकर अली और तौहीद हृदोय के बीच छठे विकेट के लिए 154 रन की साझेदारी नहीं होती, तो बांग्लादेश को 100 रन तक पहुंचने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता। बांग्लादेश के गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है जबकि फील्डिंग में भी उसे काफी सुधार करना पड़ेगा।।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं :न्यूजीलैंडः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विलियम ओ रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

टॉप्स खिलाड़ियों को इस ओलंपिक सत्र में भत्ते में बढ़ोतरी, लेकिन हर छह महीने पर समीक्षा

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के लिए चुने गए खिलाडि़यों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी, लेकिन उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वॉश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है ।

कोर समूह में 52 पैरा एथलीट और 42 सामान्य एथलीट हैं। पेरिस

पैरालम्पिक में भारत ने सात स्वर्ण समेत 29 पदक जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सूची में शामिल खिलाडि़यों को विदेश में अभ्यास या स्पर्धा के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन और 50000 रूपये (कोर समूह) और 25000 रूपये (डेवलपमेंटल समूह) महीना दिया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, 'कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है।'सूत्र ने कहा, 'हम यह भी कोशिश कर रहे है कि चोटों में कमी आए। इसके लिए नियमित तौर पर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट होंगे। पहले भी टेस्ट होते थे, लेकिन अब हमने अवधि तय कर दी है और ये टेस्ट अनिवार्य होंगे।' कोर सूची में कोई पुरूष मुक्केबाज नहीं है और एथलेटिक्स में भी तीन (पिछली बार से 27 कम) ही जगह बना सके है। खराब फॉर्म से जूझ रहे बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत और अश्विनी पोनप्पा के अलावा भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी इससे बाहर हो गए है।रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी और भारोत्तोलक मीराबाई चानू इसमें जगह बनाने में कामयाब रही हैं जो हैरानी की बात है। दीपिका कई बार ओलंपिक में नाकाम रह चुकी है, जबकि टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रही। दोनों 30 पार की हैं। दीपिका का ओलंपिक में भविष्य अनिश्चित है जबकि मीराबाई लगातार चोटों से जूझती रही हैं। सूत्र ने कहा, 'हमें ऐसा कोई नहीं मिला जो दीपिका को हरा सके तो उसे कैसे हटायें । उसने पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था और नॉकआउट तक पहुंची थी। मीराबाई की फिटनेस पर नजर रखी जाएगी। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी सत्र दक्षिण अमेरिका में दो चरण के विश्व कप के साथ शुरू होगा। पहला टूर्नामेंट अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। हाल ही में ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार पाने वाली मनु ने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था।वह विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। उनके साथ पेरिस ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू (पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल), ऐशा सिंह (महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल)), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस), सिफत कौर सामरा और श्रेयांका साडंगी (महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस), अर्जुन बबूता (पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल), पृथ्वीराज टोंडाइमान (ट्रैप), अनंत जीत सिंह नरूका (स्कीट) और रेइजा ढिल्लों (महिला स्कीट) भी टीम में हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने यहां 14 मार्च से टीम के लिये अभ्यास शिविर का आयोजन किया है। एनआरएआई ने एक बयान में कहा ,'' हर वर्ग में विश्व कप के तीन चरण होंगे जबकि दो जूनियर विश्व कप भी खेले जायेंगे। विश्व कप का दूसरा चरण सितंबर में दिल्ली में होगा। अगस्त में कजाखस्तान में 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप भी है।''

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अंकुर शुक्ला द्वारा शुक्ला ग्राफिक्स एंड प्रिंटर्स,प्लाट नम्बर 10, गणपति कॉम्पलेक्स मार्केट कल्यानपुर कानपुर नगर से मुद्रित व 45, सराय मसवानपुर रावतपुर कानपुर नगर से प्रकाशित
संपादक – अमन कुमार , मो. – 9451910061 (समाचार पत्र के सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा) सहसम्पादक-कृष्ण सेठ मो. 9454484067